दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-66 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 18 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

लोकसभा में ही पास नहीं हुआ महिला आरक्षण बिल

सरकार को नहीं मिला दो-तिहाई भी बहुमत

नई दिल्ली (ए.)। लोकसभा में सरकार को दो-तिहाई बहुमत न मिलने पर महिला आरक्षण बिल गिर गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस बिल पर विचार करने पर मत विभाजन के दौरान पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। उन्होंने कहा कि अब इस बिल पर आगे की कार्यवाही पर फैसला संभव नहीं है, क्योंकि यह बिल विचार करने के लिए पेश किए जाने के लेवल पर ही गिर गया है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अन्य दो बिल भी आगे न बढ़ाने की बात कही।विपक्ष के विरोध के बाद लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पर मतदान किया गया। संविधान संशोधन विधेयक पर ध्वनि मत से नहीं, बल्कि मत विभाजन के जरिए मतदान होता है, यानी यह स्पष्ट करना होता है कि कितने वोट समर्थन या विरोध में पड़े हैं।संविधान के अनुच्छेद 368 के उपबंधों के अनुसार, सभा की कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा और सभा के उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा विधेयक पारित नहीं हुआ।इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बिल पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मैं इस देश की मातृशक्ति से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस पार्टी ने जो प्रस्ताव रखा है, वह एक सुनियोजित जाल है, ताकि महिला आरक्षण को 2029 से पहले लागू न होने दिया जाए। इसलिए ये जो कहते हैं कि हमारे राज्यों को समान भार होना चाहिए, मैं सहमत हूं। महिला आरक्षण 2029 से पहले होना चाहिए। 2029 के बाद ले

जाने के लिए इनके षड्यंत्र को हम सफल नहीं होने देंगे। मैं समझता हूं कि अगर ये वोट नहीं देंगे तो महिला आरक्षण बिल गिर जाएगा, लेकिन देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है।उन्होंने कहा कि मैं यहां संविधान की नीतियों को स्पष्ट करना चाहता हूं। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है। इंडिया महागठबंधन वाले तुष्टिकरण की राजनीति के कारण मुस्लिम आरक्षण की मांग खड़ी करना चाहते हैं और ये संविधान की बात करते हैं। कोई मुझे बता दे कि संविधान के किस अनुच्छेद में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को मान्यता नहीं देता है। इसके बावजूद, तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित होकर, इंडिया महागठबंधन मुसलमानों के लिए आरक्षण की मांग कर रहा है, जबकि वे अपने इस रुख के समर्थन में संविधान का हवाला भी दे रहे हैं।

लोकसभा में राहुल गांधी बोले- इन विधेयकों का महिलाओं से कोई लेना-देना नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन से जुड़े 3 विधेयकों पर लोकसभा में दूसरे दिन चर्चा जारी है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इन तीनों विधेयकों का महिलाओं के कल्याण से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, पुराना विधेयक लेकर आइए, हम सभी उसे तुरंत पारित कर देंगे। इन विधेयकों को महिलाओं से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल ने कहा, आप दक्षिण भारतीय और कम जनसंख्या वाले राज्यों से कह रहे हैं कि भाजपा को सत्ता में लाने के लिए हम आपका प्रतिनिधत्व छीन रहे हैं। ये हो रहा है। हम किसी भी हालात में इसे नहीं होने देंगे। पूरा विपक्ष सरकार के इस राष्ट्रविरोधी प्रयास के विरोध में है। आप उन्हें हिंदू बोलते हैं, लेकिन इस देश में कोई स्थान नहीं देते। यह सिर्फ भारत के निर्वाचन क्षेत्र के नक्शे को बदलने के लिए है।

चिन्यालीसौड़ से गंगोत्री तक आपदा के बाद कोई सुधार नहीं, भूस्खलन जोन लेंगे परीक्षा

देहरादून ,(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के लिए महज अब तीन दिन का समय रह गया है लेकिन गंगोत्री हाईवे की स्थिति में आपदा के बाद से कोई सुधार नहीं आया है। मात्र सड़क से मलबा हटाने के अलावा सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से किसी प्रकार का सुरक्षात्मक कार्य नहीं किया गया है। आपदा में क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति जस की तस है। नदी के तेज बहाव में बही सड़कों के स्थान पर कच्ची सड़कों के निर्माण में लीपापोती की गई है।चिन्यालीसौड़ से गंगोत्री धाम तक गंगोत्री हाईवे का करीब 135 किमी हिस्सा शामिल है। इसमें जनपद की सीमा शुरू होते ही नगुण भूस्खलन जोन से ही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर में द्वारका शारदा पीठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का अंगवस्त्रम, आदि गुरु शंकराचार्य जी की धातु की मूर्ति और चित्र भेंट कर अभिनन्दन किया।

50°C तक पहुंचेगा तापमान.. दुनिया की सबसे गर्म जगहों की लिस्ट में भारत के 20 शहर

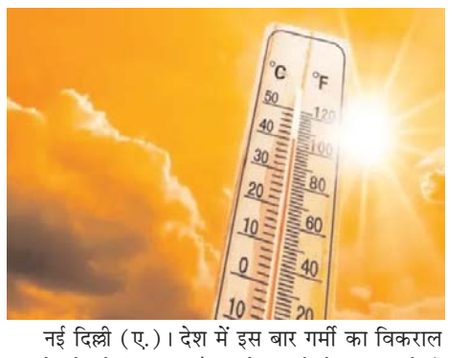

नई दिल्ली (ए.)। देश में इस बार गर्मी का विकराल रूप देखने को मिल रहा है। कई इलाकों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और सामान्य से अधिक गर्मी का असर साफ नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस सप्ताह महाराष्ट्र के कई जिलों में लू (हीटवेव) का अलर्ट जारी किया है। विदर्भ क्षेत्र का अकोला लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ दुनिया के सबसे गर्म शहरों में शामिल हो गया है। इसके अलावा अमरावती, वर्धा और नागपुर भी शीर्ष गर्म शहरों की सूची में हैं। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में हीटवेव और अधिक तीव्र हो सकती है। आईएमडी के अनुसार, 2026 में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। मार्च से मई के बीच हीटवेव की घटनाएं बढ़ सकती हैं और तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। चरम स्थिति में कुछ क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। वैश्विक तापमान की बात करें तो चीन के युन्नान प्रांत का जिंगहोंग 37 डिग्री सेल्सियस के साथ सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि ओडिशा के बलांगीर में 36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।भारत और आसपास के कई शहरों में भी 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान दर्ज किया गया। इनमें महाराष्ट्र का चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ का रायपुर और बिलासपुर, बिहार का सासाराम, उत्तर प्रदेश का मुगलसराय और वाराणसी, तथा तेलंगाना के कई शहर शामिल हैं। इसके अलावा थाईलैंड, वियतनाम और भारत के विभिन्न हिस्सों में भी तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जो बढ़ती गर्मी का संकेत है। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, धूप में अनावश्यक बाहर न निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार पवन खेड़ा की जमानत रद्द की, खेड़ा बोले- क्या आतंकवादी हूं?

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दूसरी बार झटका देते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत रद्द कर दी। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद असम पुलिस ने रिनिकी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की

है। खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट में असम पुलिस की प्राथमिकी के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसके बाद उन्हें पारगमन अग्रिम जमानत मिली थी। खेड़ा ने असम कोर्ट में अपील करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार तक अपनी पारगमन जमानत अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनका अनुरोध खारिज कर दिया और कहा कि अग्रिम जमानत से संबंधित याचिका असम की उपयुक्त अदालत में ही दायर होनी चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि असम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से प्रभावित नहीं होगी और आवेदन पर स्वतंत्र रूप से रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री और उसके गुणों पर फैसला करेगी।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला, कमर्शियल जहाज गुजर सकेंगे

ट्रम्प बोले- शुक्रिया, लेकिन नाकाबंदी जारी रहेगी; ईरान बोला- ऐसा किया तो दोबारा बंद कर देंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (आरएनएस)। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने X पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में सीजफायर के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही होर्मजु स्ट्रेट खुल गया है लेकिन ईरान पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और यह सिर्फ ईरान पर लागू होगी।इस पर ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके बंदरगाहों पर नाकाबंदी जारी रही, तो वह इसे सीजफायर का उल्लंघन मानेगा और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर देगा। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। एनरिच्ड यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में होता है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह डील हो जाती है तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी और हालात सामान्य हो जाएंगे।

वेदांता ग्रुप के मालिक समेत कई बड़े अफसरों पर FIR दर्ज, बायलर ब्लास्ट में 20 मजदूरों की मौत के मामले में एक्शन

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए खौफनाक बायलर विस्फोट मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। 20 बेगुनाह मजदूरों की मौत के इस दर्दनाक मामले में सीधे तौर पर कंपनी के शीर्ष प्रबंधन पर शिकंजा कसा गया है। पुलिस ने गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में वेदांता के मालिक अनिल अग्रवाल और कंपनी प्रबंधक देवेंद्र पटेल समेत कई अन्य जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है। इस भीषण हादसे ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है, जिसमें झुलसे 15 अन्य मजदूर अब भी विभिन्न अस्पतालों में अपनी जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

भगवान श्री चित्रगुप्त प्राकट्योत्सव सामूहिक रूप से मनाया जाएगा

नर्मदापुरम। चलो अभियान के अंतर्गतअखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव जी की अध्यक्षता में कोठीबाजार स्थित मंदिर में गुरुवार को आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी का सामूहिक आरती पूजन श्रीएमुकेश कानूनगो जी द्वारा किया गया। पूजन उपरांत आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्योत्सव दिनांक 23 अप्रैल 26 गंगा सप्तमी के दिन सामूहिक रूप पूर्ण विधि विधान से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ ने मंदिर निर्माण एवं किए गए सभी कार्यों पर होने वाले खर्च एवं हुई बचत का पूरा विवरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया ।

उन्होंने बताया कि भगवान का जन्मोत्सव सुबह से लेकर रात तक आरतीए पूजनएहवन भजन प्रसादी वितरण के माध्यम से किया जाएगा जिसे मंदिर के पुजारी के द्वारा मंत्रोच्चार से संपन्न कराया जाएगा। हम सभी को समाज के हर वर्ग के सदस्य को जो हमारा परिचित है उसे भी इस कार्यक्रम में आने के लिए व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण देना है। बैठक में विशेष रूप से महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती लता सक्सेनाए जिला महामंत्री अशोक श्रीवास्तव एजिला कोषाध्यक्ष अजय निगमए जिला उपाध्यक्ष पवन सक्सेना कार्यकारिणी सदस्य विजय प्रकाश श्रीवास्तव युवा जिला अध्यक्ष भानु प्रकाश श्रीवास्तव युवा कोषाध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव जिला कार्यालय प्रमुख मुकेश

कानूनगो जिला महिला महामंत्री मीनाक्षी निगम युवा नगर अध्यक्ष डॉ दिनेश श्रीवास्तव युवा उपाध्यक्ष आशुतोष श्रीवास्तव युवा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा श्रीमती मृदुला वर्मा सुलेखा श्रीवास्तव प्रवीण श्रीवास्तव जयश्री श्रीवास्तव विजयश्री निगम बलराम श्रीवास्तव आलोक श्रीवास्तव विनीता कानूनगो एसी एस श्रीवास्तव नेहा श्रीवास्तव प्रशांत श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव अनुराग सक्सेना आदि कार्यकारिणी सदस्य एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

भगवान श्री परशुराम जी प्राकट्योत्सव समरोह 41वां वर्ष

भव्य शोभायात्रा आज शाम 04 बजे सेठानी घाट से

नर्मदापुरम (निप्र)। भव्य शोभायात्रा मे समस्त सनातन धर्मावलम्बी सादर आमंत्रित है भगवान परशुराम जी भगवान विष्णु जी के 6 वे अवतार है वह शस्त्र एवं शास्त्र मे निपुण है विप्र अराध्य देव की भव्य शोभायात्रा मे पारम्परिक बेश भूषा से सुसज्जित महिलाएं ,पुरुष,बच्चे एवं समस्त सनातन धर्मावलम्बी हर वर्ष सम्मलित होते हैं इस वर्ष और अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करे अध्यक्ष पंडित रामकुमार गुबरेले ने बताया कि नगर मे विभिन्न विभिन्न समाज एवं संगठनों द्वारा यात्रा मे भगवान श्री परशुरामजी का पूजन एवं भव्य शोभायात्रा का स्वागत किया जाता है यात्रा का मार्गों इस प्रकार होगा नर्मदा घाट से प्रारम्भ ,होकर जगदीशपुरा,सेंट्रल बैंक, सराफा चौक, मोरछली चौक ,इंदिरा चौक, सतरस्ता से वापस अमर चौक, हलवाई चौक, सराफा चौक होते हुए नर्मदा घाट तिलक भवन के सामने महा आरती एव प्रसाद वितरण के साथ सम्पन्न होगी।

उज्जवल भविष्य हेतु शिक्षक की बात मानना माता पिता से ज्यादा मानो, खूब खेलो और आनंद के साथ पढ़ो : अभिषेक राजन

एएसपी अभिषेक राजन ने द चैम्प्स फन स्कूल में किया जिले के प्रथम सिंथेटिक टर्फ का उद्घाटन

नर्मदापुरम (निप्र)। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में सिंथेटिक टर्फ एवं नए प्ले जोन का उद्घाटन मुख्य अतिथि एएसपी अभिषेक राजन ने डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी व श्रीमती जूही चटर्जी, प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी की गरिमामयी उपस्थिति में किया। उत्साह, ऊर्जा और जागरूकता से भरपूर वातावरण के बीच आज विद्यालय में सिंथेटिक टर्फ एवं नए प्ले जोन का भव्य उद्घाटन एएसपी अभिषेक राजन के कर.कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियाँ जैसे रस्साकशी, क्रिकेट एवं कराटे का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। विद्यालय का वातावरण खेल भावना और उत्साह से सराबोर हो उठा। मुख्य अतिथि एएसपी अभिषेक राजन भी बच्चों के साथ क्रिकेट खेल का आनंद लिया।इसके उपरांत सभी विद्यार्थी रामायण हॉल में एकत्रित हुए, जहाँ कार्यक्रम सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर

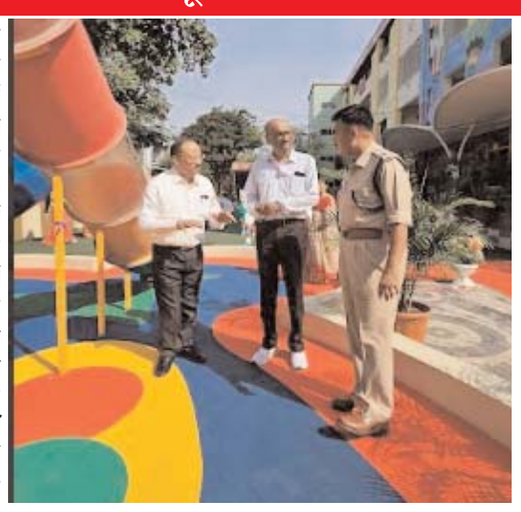

स्वागत किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि बच्चों के शारीरिक विकास में टर्फ मैदान का विशेष महत्व को देखते हुए विद्यालय में सिंथेटिक टर्फ बनाया गया है। टर्फ में खेलने से बच्चों के जोड़ सुरक्षित रहते हैं और शारीरिक विकास अच्छा होता है। मुख्य अतिथि महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए जीवन को सफल बनाने में विद्यालय और शिक्षकों के योगदान के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने विद्यालय में स्थापित नवीन टर्फ हेतु बच्चों समेत सभी को बधाई दी।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।नर्मदापुरम जिले के प्रथम विद्यालयीन सिंथेटिक टर्फ के उद्घाटन का कार्यक्रम उत्साह व उमंग के साथ संपन्न हुआ।

यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने वाली 15 वर्ष से अधिक पुरानी यात्री बसें नहीं दिखेंगी सड़कों पर

गुना, कटनी, मंडला, रतलाम में जिले में 128 बसों का पंजीयन निरस्त करने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों ने भेजा वाहन मालिकों को नोटिस

भोपाल (निप्र.)। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पूरी तरह से सख्त है। इसी के अंतर्गत यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने वाली 15 साल से अधिक पुरानी यात्री बसें अब सड़कों पर दिखाई नहीं देंगी। प्रदेश के परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश भर में अभियान चलाकर 15 साल से अधिक पुरानी बसों पर कार्रवाई की जा रही है। वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर वाहनों का पंजीयन निरस्त किया जा रहा है। गुना, कटनी, मंडला और रतलाम जिले में 128 से अधिक वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए जिलों के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की गई है। इधर, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि यात्रियों की जान से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और सड़क परिवहन को सुरक्षित, विश्वसनीय और मानकों के अनुरूप बनाया जाए।गुना जिले में परिवहन विभाग द्वारा 15 वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी यात्री बसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसी वाहनों की संख्या 19 है। इनमें से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा 9 वाहनों का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। शेष वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है। कटनी जिले में 15 वर्ष से अधिक पुराने यात्री वाहनों की संख्या 66 है। यहां पर भी जिले क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा सभी वाहन मालिकों को वाहनों का पंजयीन निरस्त करने के लिए नोटिस जारी किया गया है इसी प्रकार रतलाम जिले में 15 साल से अधिक पुराने यात्री वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसे वाहनों की संख्या 34 है। इसमें से 1 वाहन का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। शेष यात्री वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए परिवहन कार्यालय द्वारा वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है। मंडला जिले में भी परिवहन विभाग के निर्देश पर 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों पर विभाग द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसे यात्री वाहनों की संख्या 18 है। इन सभी यात्री वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है।

परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश में अभियान चलाकर की जा रही कार्रवाई

किसानों को गेहूँ विक्रय के लिये 30 अप्रैल तक स्लॉट बुकिंग की सुविधा : मंत्री श्री राजपूत

130655 किसानों से 57 लाख 13 हजार 640 क्विंटल गेहूँ उपार्जित

भोपाल (ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक एक लाख 30 हज़ार 655 किसानों से 57 लाख 13 हजार 640 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 355 करोड़ 3 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 4 लाख 22 हजार 848 किसानों द्वारा 1 करोड़ 82 लाख 96 हजार 810 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। किसान गेहूँ बिक्रय के लिये 30 अप्रैल 2026 तक स्लॉट बुक कर सकते हैं। खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। गेहूँ की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है।उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये प्रतिदिन प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूँ विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल की गई है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि जिन जिलों में गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, वहाँ गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने ईटखेड़ी में स्व-सहायता समूहों की दीदियों से की मुलाकात, आजीविका गतिविधियों का किया अवलोकन

ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर कलेक्टर का जोर गोलखेड़ी में गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण, किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की ली जानकारी

भोपाल (ए.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने भोपाल जिले के एक जिला - एक उत्पाद पहल के अंतर्गत ईटखेड़ी स्थित समर्थन सीएलएफ सेंटर का भ्रमण कर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जरी-जरदौजी, जूट तथा बांस से निर्मित उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने समूहों को आजीविका गतिविधियों को और सशक्त बनाने तथा योजनाबद्ध तरीके से स्कूल के बच्चों के आवागमन के लिए आजीविका एक्सप्रेस संचालित करने का भी सुझाव दिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने ग्राम पंचायत के नागरिकों और बच्चों से भी संवाद कर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और ड्रॉप-आउट से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। ईटखेड़ी, गोलखेड़ी और बीनापुर की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने क्षेत्र में पेयजल की समस्या से अवगत कराया।

इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आसपास की ग्राम पंचायतों में हलाली बांध परियोजना के माध्यम से पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने

के निर्देश दिए। ईटखेड़ी समर्थन

सीएलएफ की 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं लखपति दीदियों में शामिल इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने बताया कि ईटखेड़ी समर्थन सीएलएफ से लगभग 4000 महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जुड़ी हुई हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं लखपति दीदी के रूप में उभर रही हैं। ये महिलाएं पशुपालन, बैंक सखी, टैक्स कलेक्शन, सिलाई-कढ़ाई तथा अन्य व्यवसायों के माध्यम से स्वयं और अपने परिवार को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम, माइक्रो एंटरप्राइज डेवलपमेंट और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना जैसे कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। पारंपरिक उत्पाद जैसे हैंडलूम, जरी-जरदोजी और जूट एवं बांस के हस्त निर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने आंगनवाड़ी केंद्रों को नर्सरी शिक्षा के रूप में विकसित किए जाने की जानकारी देते हुए महिलाओं से अपील की कि वे अपने बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों में अवश्य भेजें, जिससे बच्चों का समग्र विकास और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित हो सके। इस दौरान समूह की महिलाओं ने कलेक्टर को हस्तनिर्मित जरी-जरदौजी का शॉल एवं जैविक फूलों से बना गुलदस्ता भेंट किया।

खरीफ सीजन से पहले 'नवाचार प्रबंधन' पर विशेष जोर : कृषि मंत्री श्री कंषाना

किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ा जाएगा

भोपाल (निप्र.)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृषि क्षेत्र में 'नवाचार प्रबंधन' समय की मांग है। विभाग का लक्ष्य है कि परंपरागत खेती के साथ-साथ नई तकनीक, संसाधन संरक्षण और बाजार से सीधा जुड़ाव बढ़ाकर किसानों की आय दोगुनी की जाए।कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि खरीफ 2026 के लिए विभाग ने 'नवाचार प्रबंधन अभियान' शुरू किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ा जाएगा। प्राकृतिक एवं जैविक खेती का विस्तार: 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को रासायनिक मुक्त खेती के अंतर्गत लाने का लक्ष्य। किसानों को नि:शुल्क जैविक इनपुट, प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण की सुविधा दी जा रही है। डिजिटल कृषि सेवा: 'एमपी किसान ऐप' और 'ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल' के माध्यम से 15 लाख किसानों को मौसम, मंडी भाव, रोग-कीट प्रबंधन और ड्रोन स्प्रे की रियल-टाइम जानकारी मिल रही है। जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई: 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत 50 हजार हेक्टेयर में ड्रिप-स्प्रिंकलर स्थापित करने का लक्ष्य। खेत तालाब और फार्म पॉन्ड निर्माण पर 90 प्रतिशत तक अनुदान।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में हंगामा, एक घायल

- पुलिस ने सीएम हाउस जाने से रोका, खदेड़ा; बसों में भरकर थाने ले गए

भोपाल (ए.)। भोपाल में शिक्षक भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों का आंदोलन शुक्रवार को उस समय तेज हो गया, जब सीएम हाउस की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने पॉलिटेक्निक चौराहे के पास रोककर खदेड़ दिया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और कई को जबरन बसों में बैठाकर खजूरी थाने ले जाया गया। इस दौरान एक अभ्यर्थी के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है। वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने के लिए सीएम हाउस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पॉलिटेक्निक चौराहे के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि कुछ देर बैठाने के बाद अचानक पुलिस ने उन्हें वहां से खदेड़ना शुरू कर दिया और बसों में बैठाकर सीधे खजूरी पुलिस थाने ले जाया गया।

ग्वालियर से आए अभ्यर्थी सूरत सिंह धाकड़ ने बताया कि वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें वहां से हटाया।

उनका आरोप है कि हमें खदेडक़र गाडिय़ों में बैठाया गया और थाने छोड़ दिया गया, हमारे साथ बदतमीजी की गई। शिवपुरी से आए अभ्यर्थी नितिन ने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान उनकी उंगली फ्रैक्चर हो गई। उन्होंने कहा, हम सिर्फ अपनी मांग रखने जा रहे थे, कोई अपराध नहीं किया, फिर भी हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया गया।

1.15 लाख पद खाली, फिर भी भर्ती सीमित

अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रदेश में 1.15 लाख से अधिक शिक्षक पद खाली हैं। इसके बावजूद भर्ती में सीमित पद घोषित किए गए हैं, जिससे योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पा रहा। अभ्यर्थी पिछले कई महीनों से भोपाल में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। खून से आवेदन लिखने, भूख हड़ताल, मुंडन और मार्कशीट दहन जैसे कदम भी उठाए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांग है कि वर्ग-2 (माध्यमिक शिक्षक) भर्ती में प्रत्येक विषय में कम से कम 3,000 पद या कुल मिलाकर न्यूनतम 10,000 पद बढ़ाए जाएं। वर्ग-3 (प्राथमिक शिक्षक) भर्ती 2025 में पद संख्या बढ़ाकर कम से कम 25,000 की जाए। प्राथमिक भर्ती में शामिल 3,200 विशेष शिक्षक पदों को अलग कर अलग से भर्ती निकाली जाए। दोनों भर्तियों में जल्द दूसरी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू की जाए।

नारी शक्ति वंदन

महिलाओं की पंचायत राज निकायों में बढ़ रही है भागीदारी

भोपाल (ए.)। प्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। पंचायत स्तर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुका है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय वृद्धि है। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत-तीनों स्तरों पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। कुल जनप्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 52.84 प्रतिशत दर्ज की गई है।ग्राम पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत करीब 52.83 प्रतिशत है, जबकि जनपद पंचायत में यह आंकड़ा 53.22 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिला पंचायत में भी महिलाओं की भागीदारी 53.71 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो दर्शाता है कि नेतृत्व के उच्च स्तर पर भी महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

मध्यप्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं में महिलाओं की मजबूत भागीदारी

विभागीय जानकारी अनुसार कुल 23 हजार 11 निर्वाचित सरपंचों में से 11 हजार 683 महिलाएं हैं, जो ग्रामीण नेतृत्व में महिलाओं की सशक्त भूमिका को दर्शाती है। वहीं 3 लाख 64 हजार 895 निर्वाचित पंचों में से 1 लाख 93 हजार 284 महिला प्रतिनिधि चुनी गई हैं। जनपद पंचायत स्तर पर भी महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है। कुल 313 निर्वाचित जनपद पंचायत अध्यक्षों में से 179 महिलाएं हैं।

नासिक की टीसीएस कंपनी में यौन उत्पीड़न-धर्म परिवर्तन मामला

- बजरंग दल ने भोपाल में जमकर किया विरोध प्रदर्शन, कॉर्पोरेट जिहाद का आरोप
- निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

भोपाल(ए.)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की इकाई में महिला कर्मचारियों के यौन शोषण और जबरन धर्म परिवर्तन के दबाव का गंभीर मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। इस मामले को लेकर राजधानी भोपाल में भी बजरंग दल ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एमपी नगर क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में पहुचें कार्यकर्ताओ ने इस्लामिक जिहाद मुर्दाबाद, लव जिहाद बंद करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने नासिक टीसीएस मामले में सामने आए आरोपों को अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बताया। उन्होंने इसे सीधे तौर पर कॉर्पोरेट जिहाद करार देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संगठन ने यह भी अपील की कि पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा भविष्य में ऐसी घिनौनी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

- आई टी कंपनी के टीम लीडर्स और एचआर मैनेजर पर लगे है गंभीर आरोप

नासिक टीसीएस कार्यालय से सामने आया है, जहां करीब 8-9 महिला कर्मचारियों और एक पुरुष ने शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने कंपनी के टीम लीडर्स और एचआर मैनेजर पर यौन शोषण, धार्मिक दबाव बनाकर जबरन धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास और संबंध बनाने के लालच में शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र पुलिस ने अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, राज्य सरकार ने इस संवेदनशील मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन भी किया है।

बीयू में उत्तरपुस्तिका और प्रश्नपत्रों की छपाई में करोड़ों का घोटाला

भोपाल (ए)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में उत्तरपुस्तिकाओं और प्रश्नपत्रों की छपाई को लेकर बड़े वित्तीय घोटाले की आशंका सामने आई है। जानकारी के अनुसार करीब 30 लाख रुपए की उत्तरपुस्तिकाओं की खरीदी में अनियमितताएं पाई गई हैं, जिसके चलते जांच के निर्देश दिए गए हैं। आरोप है कि खरीदी प्रक्रिया में वित्तीय नियमों की अनदेखी करते हुए अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से अधिक खर्च कर दिया।

वहीं, प्रश्नपत्रों की छपाई में भी गोपनीयता का हवाला देकर करोड़ों रुपए के खर्च में पारदर्शिता नहीं बरती गई। इस पूरे मामले ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुलगुरु को रिपोर्ट सौंपे जाने की तैयारी है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

अब तक 2937 स्थानों पर हुई जाँच, 4527 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल(ए.)। खाद्य, नागरिकआपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2937 स्थानों पर जांच की गई, 4527 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 7 64 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है।

मंत्री श्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है।

भारत में कच्चे तेल (Crude Oil)का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी (LPG) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल

सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती, हथियारबंद 5 बदमाश 35 लाख रुपये लूटकर फरार

सिंगरौली, (ए.)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शुक्रवार दोपहर को दिनदहाड़े एक बड़ी और सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बैढ़न शाखा में पांच हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोलकर करीब 30 से 35 लाख रुपए नकद और अन्य कीमती सामान लूट लिया। जानकारी अनुसार घटना दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बदमाश पहले बैंक में घुसे और हथियार दिखाकर कर्मचारियों व ग्राहकों को बंधक बना लिया। कुछ ही देर में तीन अन्य साथी भी अंदर पहुंच गए। बदमाशों ने पूरे बैंक पर कब्जा कर लिया और सभी को बंदूक की नोक पर जमीन पर बैठा दिया। बैंक के अंदर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पूरा घटनाक्रम करीब 15 से 20 मिनट तक चला।

मैनेजर को पीटा, बंदूक की बट से किया हमला

लूट के दौरान बदमाशों ने बैंक मैनेजर से कैश की जानकारी और चाबियां मांगीं। विरोध करने पर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और बंदूक की बट से सिर पर हमला किया गया। इसके बाद बदमाश कैश काउंटर से नगदी और एक पेटी में रखा पैसा लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि करीब 14-50 लाख रुपए कल के रखे थे। बाकी आज का उस समय तक का कलेक्शन था। इसके अलावा, सोना-चांदी भी था। फिलहाल, कुल कितने का सामान ले गए हैं, इसका सटीक आकलन बताना मुश्किल है।

गार्ड नहीं था, दहशत फैलाने के लिए की फायरिंग

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना के समय बैंक में कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था। बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए एक राउंड फायरिंग भी की।

ट्रेन से कटकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

जबलपुर, (ए.)। खितौला थाना अतंर्गत गोसलपुर डाउन ट्रेक लखराम मोहल्ला के पास अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटने पर मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। खितौला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह गोसलपुर डाउन ट्रेक लखराम मोहल्ला के पास अज्ञात व्यक्ति की ट्रने से कटकर मौत हो गई। अज्ञात व्यक्ति की उम्र 30 से 35 वर्ष की होगी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने पक्षियों के लिए लगाए सकोरे, दिया जल संरक्षण का संदेश

राजगढ़ (ए.)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों

पर पक्षियों के लिए सकोरे (जल पात्र) स्थापित किए गए। यह सराहनीय पहल संस्था के प्राचार्य डॉ. वी.बी. खरे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संपन्न हुई। गर्मी के दिनों में बढ़ते तापमान और जल संकट के कारण पक्षियों के जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, वर्ष 1980 के बाद से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पक्षियों की संख्या में 25 से 38 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है, जिसमें अत्यधिक गर्मी एक प्रमुख कारण है। ऐसे में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। यह प्रयास न केवल पक्षियों के लिए जीवनदायी है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर सकोरे रखकर उनमें नियमित रूप से जल भरने की जिम्मेदारी भी ली। इस पहल का उद्देश्य लोगों को प्रेरित करना है कि वे भी अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में ऐसे छोटे-छोटे प्रयास कर पक्षियों के जीवन की रक्षा में योगदान दें।

नर्मदा नदी के प्रवाह और प्रदूषण पर खतरे की घंटी

- वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट रिपोर्ट ने चिंता बढ़ाई

जबलपुर, (ए.)। अगले 50 वर्षों में नर्मदा का अस्तित्व खतरे में पड़ने की आशंका जताने वाली अमेरिका के वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट रिपोर्ट ने संस्कारधानी की चिंता बढ़ा दी है। नर्मदा नदी केवल एक नदी नहीं, बल्कि जबलपुर की जीवनरेखा है। शहर की पेयजल आपूर्ति, पर्यटन, धार्मिक आस्था और हजारों परिवारों की आजीविका इसी पर

टिकी है।शहर की बड़ी आबादी को पेयजल नर्मदा से ही मिलता है। गर्मियों में जलस्तर घटने और प्रदूषण बढ़ने की स्थिति में जल संकट गहराने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। पहले भी गर्मी के मौसम में जलापूर्ति को लेकर चुनौतियां सामने आती रही हैं। यदि अवैध रेत खनन, सीवेज का प्रवाह और किनारों पर अतिक्रमण नहीं रुके, तो जबलपुर को भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।जबलपुर में नर्मदा का सबसे प्रमुख और आकर्षक स्थल भेड़ाघाट है, जहां संगमरमर की चट्टानों के बीच बहती नर्मदा शहर की पहचान बन चुकी है। इसके अलावा गौरीघाट और तिलवाराघाट जैसे घाट धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। यदि नदी का प्रवाह घटता है या प्रदूषण बढ़ता है, तो इन स्थलों का अस्तित्व और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होंगे। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि जबलपुर में नर्मदा के किनारों पर तेजी से बढ़ती आबादी, अवैध निर्माण और अपशिष्ट प्रबंधन की कमी बड़ी समस्या है। कई नालों का पानी सीधे नदी में मिलने की शिकायतें समय-समय पर उठती रही हैं। यदि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की क्षमता नहीं बढ़ाई गई, तो प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है।

ड्रोन के साथ अपने हौसलों को उड़ान दे रही हैं सरूपी मीणा

आर्थिक तंगी से उभरकर आत्मनिर्भर बनीं और आजीविका मिशन से मिली पहचान

रायसेन/ सांची (ए.)। सरकार द्वारा संचालित आजीविका मिशन ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इस मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से महिलाएं अब अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। रायसेन जिले के सांची विकासखण्ड के ग्राम रतनपुर गिरधारी निवासी श्रीमती सरूपी मीणा आजीविका मिशन से जुड़कर आज आर्थिक रूप में ना सिर्फ आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी हैं। श्रीमती सरूपी मीणा द्वारा सांची में रूरल मार्ट का संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने ड्रोन दीदी के नाम से भी अपनी अलग पहचान बनाई है।

श्रीमती सरूपी मीणा ने बताया कि वे 10वीं तक शिक्षित थीं। उनके पति कृषि कार्य करते थे, जिससे बड़ी मुश्किल से परिवार का भरण-पोषण हो पाता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अपनी आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख सकीं, जबकि उनकी इच्छा पढ़ाई जारी रखने की थी। कुछ वर्ष पहले आजीविका मिशन के कर्मचारियों ने गांव में भ्रमण कर महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उस समय सरूपी मीणा बेरोजगार थीं और आगे बढ़ने के अवसर तलाश रही थीं। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की और समूह से ऋण लेकर अपनी पढ़ाई दोबारा शुरू की। साथ ही, उन्होंने समूह निर्माण और सर्वे कार्य सीआरपी (कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन) के रूप में काम करना शुरू किया, जिससे उन्हें मानदेय मिलने लगा।

समूह से प्राप्त ऋण और मानदेय के सहयोग से उन्होंने एक किराना दुकान प्रारंभ की। इसके अलावा, उन्हें बैंक सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, जिससे उनके समूह का सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) भी स्वीकृत हुआ। इन सभी कार्यों से उनकी मासिक आय 4 से 5 हजार रुपये तक पहुंच गई।

बाद में उन्होंने सीएससी सेंटर का संचालन भी शुरू किया, जिससे उनकी आय में और वृद्धि हुई। निरंतर मेहनत और लगन के चलते श्रीमती सरूपी मीणा ने अपनी शिक्षा जारी रखते हुए स्नातक तक की पढ़ाई पूर्ण कर ली।

यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने वाली कंपनी में धमाकों की जांच शुरू

- प्रारंभिक जांच में विभिन्न कंपनियों के कचरे की रासायनिक क्रिया आई सामने

इन्दौर (ए.)। भोपाल की यूनियन कार्बाइड कंपनी के 337 टन जहरीले कचरे को पीथमपुर की जिस रामकी कंपनी में जलाया गया था वहां तीन दिन पहले हुए धमाकों से क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। जिसके

बाद उस हिस्से में जहां धमाके हुए कर्मचारियों के जाने पर रोक लगा जांच कार्रवाई शुरू की गई थी। जांच कर रही टीम के अनुसार प्रारंभिक जांच में धमाकों का कारण पता लगा है कि अलग-अलग कंपनियों से आए कचरे को मिलाने के बाद हुई रासायनिक प्रक्रिया के कारण ये धमाके हुए। ये धमाके प्लांट के स्टेब्लाइजिंग सेक्शन में हुए, जिसे सील कर वहां किसी के भी आने जाने पर रोक लगा दी है। हालांकि ये कारण प्रारंभिक जांच में सामने आए हैं फिलहाल जांच जारी है। बता दें कि भोपाल की यूनियन कार्बाइड कंपनी के जहरीले 337 टन कचरे को इस प्लांट में जला उसकी 700 टन राख को वहीं डंप किया गया था। गत मंगलवार को प्लांट में एक के बाद एक तीन धमाके हुए जिसकी धमक प्लांट से 400 मीटर तारापुर गांव तक सुनाई दी और वहां ग्रामीणों ने कंपन जैसा भी महसूस किया था।

व्यापार समाचार

जीरो टैक्स होने पर भी आईटीआर भरना क्यों है जरूरी? जानें 5 बड़े फायदे

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्त वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) में कई ऐसे करदाता हैं जिनकी आय टैक्स के दायरे से नीचे रह सकती है। इसका कारण सेक्शन 87ए के तहत मिलने वाली छूट, कटौतियां या पार्ट-टाइम काम, फ्रीलांसिंग और डिविडेंड जैसी कम आय हो सकती है।

ऐसे में, एक आम सवाल उठता है कि जब टैक्स देनदारी शून्य है तो क्या इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरना जरूरी है? इसका जवाब है—हां, कई मामलों में 'निल आईटीआर' फाइल करना फायदेमंद और समझदारी भरा कदम होता है।

जानकारों का कहना है कि असल में आईटीआर फाइल करना सिर्फ टैक्स चुकाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपकी सालाना आय का एक आधिकारिक रिकॉर्ड होता है, जो आयकर विभाग के पास दर्ज रहता है। भले ही आपकी टैक्स देनदारी शून्य हो, फिर भी आईटीआर भरने से आपकी वित्तीय हिस्ट्री साफ और व्यवस्थित रहती है, जो आगे चलकर कई कामों में मदद करती है।

आज के डिजिटल दौर में आयकर विभाग एआईएस (एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट) और टीआईएस (टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी) जैसे टूल्स के जरिए आपकी बैंकिंग, निवेश, ब्याज, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी पहले से ट्रैक करता है। ऐसे में आईटीआर फाइल करने से आपका रिकॉर्ड सही और कानूनी रूप से अपडेट रहता है, जिससे किसी तरह की गड़बड़ी, नोटिस या जांच की संभावना कम हो जाती है।

जानकारों के मुताबिक, अगर आपकी आय पर टैक्स नहीं बनता, तब भी टीडीएस कट सकता है, जैसे बैंक ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट, फ्रीलांसिंग या शेयरों से मिलने वाले डिविडेंड पर। आईटीआर फाइल करने से आप इस कटे हुए टैक्स का रिफंड आसानी से क्लेम कर सकते हैं। यही इसका एकमात्र वैध तरीका भी है।

इसके अलावा, बैंक और वित्तीय संस्थान लोन या क्रेडिट कार्ड देते समय आईटीआर को आय के प्रमाण के रूप में मांगते हैं। ऐसे में भले ही आपकी आय कम हो, लेकिन नियमित आईटीआर फाइल करने से आपकी विश्वसनीयता बढ़ती है और लोन मिलने की संभावना मजबूत होती है।विदेश यात्रा या पढ़ाई के लिए वीजा आवेदन में भी पिछले 3 से 5 साल के आईटीआर रिकॉर्ड मांगे जाते हैं। इससे आपकी वित्तीय स्थिति का आकलन किया जाता है, इसलिए निल आईटीआर फाइल करना भविष्य की योजनाओं के लिए भी जरूरी हो जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी साल आपको शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या बिजनेस में नुकसान हुआ है, तो आईटीआर फाइल करके आप उस नुकसान को आगे के वर्षों में एडजस्ट कर सकते हैं। इससे भविष्य में टैक्स बचत का फायदा मिलता है।

लगातार निल आईटीआर फाइल करने से आपका टैक्स रिकॉर्ड साफ और मजबूत बनता है। इससे भविष्य में किसी भी तरह की जांच या नोटिस की संभावना कम हो जाती है और आपकी वित्तीय विश्वसनीयता बनी रहती है।

शेयर मार्किट में तूफानी तेजी, निवेशकों पर झमाझम बरसा पैसा, 9 लाख करोड़ की हुई कमाई

मुंबई (आरएनएस),। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों में 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,263.67 (1.63 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,111.24 स्तर पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 24,231.30 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,981.10 पर खुलकर 78,270.42 का इंट्रा-डे हाई छुआ, तो वहीं निफ्टी 24,163.80 पर खुलकर 24,280.90 का हाई टच किया। ब्रॉडर मार्केट में और ज्यादा तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.20 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 2.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,49,13,555.17 करोड़ था। आज यानी 15 अप्रैल 2026 को इक्विटी मार्केट का कारोबार बंद होने पर यह 4,58,25,183.95 करोड़ पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 911,628.78 करोड़ बढ़ गई है।वहीं, सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो बुधवार को सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

आरबीआई में निकली जूनियर इंजीनियर की भर्ती, 11 पदों के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस),। देश का एकमात्र केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में नौकरी करने की ख्वाहिश रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जूनियर इंजीनियर (जेई) के विभिन्न 11 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।

आरबीआई ने जेई के जिन 11 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, उनमें जूनियर इंजीनियर (सिविल) के 7 और जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) के 4 पद शामिल हैं।

आरबीआई की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया गुरुवार, 16 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 6 मई निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय लास्ट डेट तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान, विश्वविद्यालय या बोर्ड से संबंधित इंजीनियरिंग विषय में न्यूनतम 65त्न अंकों के साथ 3 वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता और तय सालों का अनुभव होना भी अनिवार्य है।उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।योग्य अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन परीक्षा, भाषा प्रवीणता परीक्षा (एलपीटी), मेडिकल परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की शुरुआती सैलरी 47,700 से 91,309 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसी के साथ कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

एप्लीकेशन फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा, जो सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 450 रुपए के साथ 18त्न जीएसटी और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग/अतिरिक्त श्रेणी के लिए 50 रुपए के साथ 18त्न जीएसटी तय किया गया है।

वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच कीमती धातुओं में बड़ा उतार-चढ़ाव, चांदी में तेजी तो सोना लुढ़का

मुंबई (आरएनएस),। वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

शुरुआती कारोबार में सोने में तेजी देखने को मिली, लेकिन बाद में इसमें गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी बढ़त के साथ कारोबार करती नजर आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव शुक्रवार को 1,53,301 पर खुला और दिन के कारोबार में 1,52,547 रुपए का इंट्रा-डे लो और 1,53,364 रुपए प्रति 10 ग्राम का हाई बनाया।वहीं, 5 मई डिलीवरी वाली चांदी 2,50,001 रुपए पर खुलकर 2,48,729 रुपए का लो और 2,50,716 रुपए प्रति किलोग्राम का हाई बनाया।हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11.48 बजे) 5 जून डिलीवरी वाला सोना 501 रुपए यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 1,52,651 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी 225 रुपए यानी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,48,853 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।कमोडिटी बाजार के जानकारों के अनुसार, फिलहाल बाजार का रुख सतर्क रूप से सकारात्मक बना हुआ है और मैक्रो फैक्टर्स से कुछ समर्थन मिल रहा है।

भारत में शुरू होने जा रही फ्लाइंग टैक्सी, इंडिगो ने इस देसी स्टार्टअप पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोचिए, आप सुबह घर से निकलें और 100 किलोमीटर दूर किसी शहर में अपनी मीटिंग के लिए सिर्फ 15 मिनट में पहुंच जाएं। न कोई ट्रैफिक जाम, न रेड लाइट और न ही ट्रेन का लंबा इंतजार। सुनने में यह किसी हॉलीवुड साइंस फिक्शन फिल्म का सीन लग सकता है, लेकिन अब यह भारत में हकीकत बनने जा रहा है। देश में 30 से 300 किलोमीटर की 'मिडिल डिस्टेंस' यात्रा को आसान बनाने के लिए देसी स्टार्टअप 'सरला एविएशन' और दिग्गज एयरलाइन कंपनी 'इंडिगो' ने हाथ मिला लिया है। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में एक नया एयर टैक्सी नेटवर्क तैयार कर रही हैं, जो सड़क और आसमान के बीच

की दूरी को मिटाकर सफर का पूरा अनुभव बदल देगा।इंडिगो का बड़ा निवेश, देसी स्टार्टअप के साथ तैयार हो रहा नेटवर्क

भारत में सड़क और रेलवे का बेहतरीन जाल होने के बावजूद 100-200 किलोमीटर की यात्रा के लिए लोगों को अक्सर भारी ट्रैफिक और घंटों की देरी का सामना करना पड़ता है। इसी बड़ी समस्या को दूर करने के लिए इंडिगो वेंचर्स ने सरला एविएशन में 10 करोड़ रुपये का भारी निवेश किया है। इस निवेश को भारत के पहले बड़े एयर टैक्सी नेटवर्क की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सरला एविएशन का यह फंडिंग राउंड एक्सेल और निखिल कामथ के नेतृत्व में पूरा हुआ है। इंडिगो के पास रोजाना 2000 से ज्यादा उड़ानों और 85 एयरपोर्ट का मजबूत नेटवर्क है, जो इस प्रोजेक्ट को तकनीकी और ऑपरेशनल स्तर पर बड़ी ताकत देगा।

बिना रनवे के उड़ेगी 6-सीटर फ्लाइंग टैक्सी, प्रदूषण से भी मिलेगी राहतसरला एविएशन अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (eVTOL) एयरक्राफ्ट तैयार कर रही है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समझ की मिसाल

किसी भी राशि से माता पिता की देखभाल नहीं हो सकती इसके लिए अपने दायित्व का अहसास होना आवश्य है वे सिर्फ संस्कारों से आता है हमें अच्छी शिक्षा संस्कारों की दीक्षा की आवश्यकता है सरकारों को इस दिशा में कदम बढाना चाहिए। तेलंगाना विधानसभा ने 'कर्मचारी उत्तरदायित्व एवं माता-पिता की सहायता निगरानी अधिनियम बिल-2026' को मंजूरी दे दी है। इसमें प्रावधान है कि राज्य में सरकारी या निजी क्षेत्र के जो कर्मचारी अथवा जन प्रतिनिधि अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करेंगे, उनकी तनख्वाह में से 15 प्रतिशत या 10,000 रुपये (इनमें जो कम होगा) काट कर उसे उनके माता-पिता को दे दिया जाएगा। राज्य सरकार का दावा है कि इस तरह वह 2007 में माता- पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल एवं कल्याण के लिए बने केंद्रीय कानून से आगे गई है। इस तरह उसने अपना सामाजिक दायित्व निभाया है। मगर यह सामाजिक दायित्व निभाने से कहीं ज्यादा निभाते हुए दिखने का प्रयास भर है। एक समस्या यह है कि राज्य सरकार की सारी चिंता संगठित क्षेत्र में मौजूद कर्मचारियों के माता-पिता तक सीमित रह गई है। राज्य की कुल श्रम शक्ति में बमुश्किल 20 फीसदी कर्मचारी औपचारिक क्षेत्र में हैं। तो अनौपचारिक क्षेत्र के कर्मियों के माता-पिता की देखभाल कैसे होगी? वैसे भी पारिवारिक या सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने के लिए किसी बाध्य करना समस्याग्रस्त सोच है। जो कठिनाइयां सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था में बुनियादी बदलाव से खड़ी हुई हैं, उनका अतीत से प्रेरित दृष्टिकोण से समाधान ढूंढना निरर्थक प्रयास है। तेलंगाना सरकार को ये कदम उठाने से पहले समीक्षा करनी चाहिए थी कि 2007 के केंद्रीय कानून से क्या हासिल हुआ? तब उसके सामने स्पष्ट होता कि बुजुर्गों की ऐसी देखभाल के लिए अलग उपायों की जरूरत है, जिससे वे आत्म-सम्मान के साथ जी सकें।राज्य सरकार तेलंगाना में आधुनिक सुविधाओं एवं चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था के साथ सरकारी क्षेत्र में वृद्धावस्था आश्रमों का जाल बिछाने का फैसला करती, तो वह सारे देश के लिए एक मिसाल पेश कर सकती थी। इसके लिए प्रगतिशील कराधान से धन जुटाने की पहल सही सोच होती। लेकिन उसने जबरन तनख्वाह काट कर नकदी माता- पिता को देने का जो नजरिया अपनाया है, उससे वृद्धों को उपेक्षित जिंदगी जीने की समस्या से नहीं बचाया जा सकेगा। इस सतही प्रयास का अधिक से अधिक सीमित लाभ ही होगा। स्पष्टत: यह सामाजिक दायित्व की संकुचित समझ की मिसाल है।

ईरान बनाम इस्त्रायल-अमेरिका पोप की नसीहत और कसमसाता तुर्किये

डॉ. सुधीर सक्सेना

अमेरिका की हालत आज उस रस्सी की तरह है, जिसका सिरा जल जाये, मगर उसकी ऐंठन न जाये। इस्लामाबाद में हुई वार्ता की विफलता के लिये भी राष्ट्रपति ट्रंप का गरूर और ज़िद जिम्मेदार है, जबकि उनकी सनक और खब्त के फलस्वरूप अमेरिका के भीतर और बाहर उनका विरोध बढ़ता जा रहा है। ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, स्पेन, इटली, कोलंबिया और मेक्सिको के राष्ट्राध्यक्षों को छोड़ भी दें तो कैथोलिक - ईसाइयोंर के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप पॉल चौदहवें ने भी ट्रंप की तीखी आलोचना की है। गौरतलब बात यह है कि पोप पॉल की नसीहत को गंभीरता से लेने या मानने के विपरीत ट्रंप ने पोप पॉल का मखौल उड़ाते हुये बेहद तीखी बातें कहीं हैं। वह यह नहीं समझ पा रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी से परिस्थितियां और पेचीदा तथा बेकाबू होंगी और एशियाई तथा योरोपीय देशों में अमेरिका के प्रति विरोध की भावना में ज्वार आयेगा। अगर्चे अमेरिका इसमें विफल रहता हैं, तो भी होर्मुज के ईरानी आधिपत्य में जाने से अमेरिका को फजीहत और घाटे का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका के लिये सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि ईरान घुटने टेकने के बजाय तबाही का सामना करने को तैयार है।

सन 1948 में अपने जन्मकाल के बाद से ही युद्ध झेल रहे इस्त्रायल का पिछली सभी लड़ाइयों में %अपर हैंड% रहा है, किंतु इस दफा उसे पहली बार गंभीर क्षति हुई है। ईरान ने राजधानी तेल अवीव ही नहीं, हैफा और येरूशलम तक मार की है और समूचा इस्त्रायल उसकी जद में है।

सही समयः महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

सुश्री शोभा करंदलाजे

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरें घुमायीं और गिनती की। वहां मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है।

मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुत्तूर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूं। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहां की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को वैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है।

अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतंत्र

भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पायीं हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन कागज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना बेहद जरूरी है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्येक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है।

दुष्चक्र को तोड़ना

मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूं। लेकिन

इस आधार को खारिज करती हूं। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं। पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं - सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक - ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिनके पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता हैजब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ और अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं।

नीतिगत दृष्टि से इसके मायने

सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता।

संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ये आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी। स्थायी होंगी। इन्हें नजरअंदाज करना असंभव होगा।

नारी शक्ति: सोच से कानून तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना रहा है कि भारत अपनी महिलाओं की पूर्ण और बराबरी की भागीदारी के बिना अपनी पूरी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर सकता। यह महज एक बयानबाजी भर नहीं, बल्कि एक ऐसा दृढ़ विश्वास है जिसने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'जन धन', 'उज्ज्वला' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी वाली नीतियों को दिशा दी है। उन्होंने नारी शक्ति को केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत का आधार बताया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सोच की पूर्ण अभिव्यक्ति है। यह सोच महिला सशक्तिकरण को कल्याणकारी योजनाओं से आगे बढ़ाकर शासन की संरचना में समाहित करती है।

सभी दलों के अपने साथियों से

यह क्षण हम सभी का है। यह मौका किसी एक दल का नहीं, बल्कि एक संस्था के रूप में संसद का है। सरकार के हर स्तर पर इस राष्ट्र की सेवा करने वाली एक महिला के रूप में, मैं सभी से अपील करती हूं और मेरा मानना है कि हम सभी भारत के लोकतंत्र को मजबूत और अधिक पूर्ण देखना चाहते हैं। भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो।

मैं कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट क्लॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूं। ये जायज बहसें हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इन पर तत्काल ध्यान दिया जाए। सिद्धांत सही है। जरूरत तत्परता की है। हमें पूर्णता को परिवर्तनकारी कदमों के आड़े नहीं आने देना चाहिए।

एक न्यायप्रिय राष्ट्र के रूप में

सितंबर 2023 में इतिहास रचा गया था। लेकिन इतिहास सार्थक तभी होता है जब उसके बाद की घटनायें भी मायने रखें। एक न्यायप्रिय देश अपने द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करके चुपचाप एक चिरस्थायी बदलाव को संभव बनाता है। अपने देश की सेवा करने की आकांक्षा रखने वाली हर युवती, मंच से हमेशा वंचित रहने वाली हर नेता और अभिव्यक्त होने से वाचित हर आवाज के हित में, अब काम करने का समय है।इस कानून को लागू कीजिए। दायरे का विस्तार कीजिए। सारा देश देख रहा है।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यत: तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों की खुशी की वजह बनेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा, जिससे आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज अपने परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी भी पुरानी बातों में न उलझें। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं उनके लिए धनलाभ के योग हैं। आज आपकी रुचि समाज सेवा में ज्यादा रहेगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो बिजनेस में आपको लाभ दिलायेगा। आपके व्यक्तित्व लोग प्रभावित होंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आप नया घर लेने का विचार करेंगे। परिवार में इस पर विचार विमर्श करेंगे। बच्चे आज आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए भावनात्मक होने वाला है क्योंकि आज बचपन का बिछड़ा हुआ दोस्त अचानक से मिल सकता है ये बहुत ही भावुक क्षण होगा। आपके जीवनसाथी का अच्छा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना देगा। जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आपस में ताल-मेल बनाकर काम करने की जरूरत है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। ज़िंदगी का भरपूर लुत्फ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को क़ाबू में रखें। योग का सहारा लेंगे, जो आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक तौर पर स्वस्थ रखकर दिल और दिमाग को बेहतर बनाता है। आज किसी महिला की मदद से आपको कारोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। घर के जरूरतों को आज नजरंदाज न करें। आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आपको थोड़ी और मेहनत करने की आवश्यकता है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए खास होगा। यदि आज आप बाहर घूमने की करते तो आपका वक़्त हंसी-खुशी और सुकून में बीतेगा। आज आप घर के सजावट का सामान खरीदने मार्केट जायेंगे। दफ़्तर के कामकाज में ज्यादा व्यस्तता के चलते आज आप घर देर से पहुंचेंगे। आज व्यक्ति आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा। आज आप अपने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन अच्छा बीतेगा है। बिजनेस में प्राप्त हुआ धन आप दोबारा अपने बिजनेस में ही लगायेंगे। किसी आवश्यक कार्य में आप भाई-बहन से सलाह लेंगे। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने से रिश्ते में और मधुरता आएगी। आज परिवार के साथ आप घूमने जा सकते है। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिलने के योग बन रहे है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। अचानक आए ख़र्चे आपको थोड़े उलझन में डाल सकते है, लेकिन आप जल्द ही सब नियंत्रण में कर लेंगे। आज आपके रूखे बर्ताव के कारण आपकी बातों से असहमत हो सकता है। आज के दिन आप अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खूबियों पर गौर करें।

मकर राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपका पड़ोसी आपसे मदद मांग सकता है। घर की समस्याओं को समझने के लिए आज घर के किसी वरिष्ठ शख़्स के साथ विचार विमर्श करना जरूरी है। यदि आज दिन अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगायेंगे तो परिणाम अच्छे हो सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। बहुत सोच समझकर पहले ही किया गया निवेश आज काफी फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आज आप आर्थिक मामलों को जरूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेंगे और उसे दूर करने के लिए विचार करेंगे।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व आपके काम को सराहेंगे। घर पर कोशिश करें कि आपका व्यवहार ज्यादा गुस्से वाला न हो, गुस्से पर नियंत्रण रखे, पारिवारिक माहौल बेहतर होगा।

विश्लेषण- क्या 'सम्राट' संभाल पाएंगे नीतीश के भरोसे की विरासत?

- योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर

उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 18 अप्रैल 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य', स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर यूएन में भारत की दो टूक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच समुद्री मार्गों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यहां से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहस के दौरान भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पी. ने कहा कि यह समुद्री मार्ग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर सैन्य हमले बेहद चिंताजनक हैं, जो न केवल वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं बल्कि आम नागरिकों की जान को भी खतरे में डालते हैं।

भारत ने इस संघर्ष में भारतीय नाविकों की मौत पर गहरा दुख भी व्यक्त किया। हरीश पी. ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद दुखद है और ऐसे हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि नागरिक जहाजों और उनके कर्मचारियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है।

भारत ने सभी देशों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही को जल्द बहाल करें। साथ ही, भारत ने जोर दिया कि मौजूदा तनाव को कम

करने के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे प्रभावी उपाय हैं।

भारत का रुख स्पष्ट है—संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए, और किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई से बचना आवश्यक है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की है, ताकि खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे और वैश्विक व्यापार प्रभावित न हो।

अस्पताल की 5वीं मंजिल से कूदने की धमकी देने वाले मरीज को बचाया

नई दिल्ली (ए)। दिल्ली के आनंद विहार स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती एक मरीज शुक्रवार सुबह पांचवीं मंजिल की बालकनी के बाहरी किनारे पर चढ़ गया और उसने कूदने की धमकी दी। मरीज को बाद में सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनास्थल की वीडियों और तस्वीरों में मरीज कैलाश दीपक अस्पताल की पांचवीं मंजिल की बालकनी के किनारे पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा है जबकि नीचे भारी भीड़ दिख रही है। पास की एक खिड़की से एक व्यक्ति मरीज से बात करने की कोशिश करता हुआ भी नजर आ रहा है। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उस व्यक्ति ने कूदने की धमकी क्यों दी। अस्पताल अधिकारियों या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, सुबह 8:40 बजे एक फोन कॉल प्राप्त हुई, जिसके बाद दमकल गाड़ी को तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों ने मरीज को नीचे उतारने की कोशिश की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित जननायक स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 99वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिला आरक्षण पर मायावती का प्रहार, कांग्रेस को बताया गिरगिट, सपा-भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ(ए.)। महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने और इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने विशेष रूप से कांग्रेस की तुलना गिरगिट से करते हुए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को इन दलों के दोहरे चरित्र से सावधान रहने की सलाह दी है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि आज जो कांग्रेस महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की भागीदारी की बात कर रही है, वही पार्टी केंद्र की सत्ता में रहते हुए इन वर्गों के आरक्षण कोटे को पूरा करने में हमेशा विफल रही। उन्होंने याद दिलाया कि ओबीसी समाज के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल कांग्रेस ने नहीं, बल्कि बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार ने की थी। मायावती ने सपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ी मुस्लिम जातियों को ओबीसी का लाभ देने वाली 1994 की रिपोर्ट को सपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, जिसे बाद में 1995 में बसपा सरकार ने लागू किया। उनके अनुसार, सपा जब सत्ता में होती है तो उसका रवैया जातिवादी और तिरस्कारी होता है, लेकिन विपक्ष में आते ही वह राजनैतिक स्वार्थ के लिए रंग बदल लेती है।परिसीमन के मुद्दे पर मायावती ने स्पष्ट किया कि यदि महिला आरक्षण को जल्दी लागू करना है, तो इसे 2011 की जनगणना के आधार पर ही करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि आज कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती। मायावती ने जोर देकर कहा कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी दल गंभीर नहीं है। उन्होंने इन वर्गों के लोगों को सलाह दी कि वर्तमान में जो कुछ भी मिल रहा है, उसे स्वीकार कर लें और किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने आह्वान किया कि इन वर्गों को खुद अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाना होगा, क्योंकि भविष्य में सही समय आने पर ही उनके हितों का पूर्ण ध्यान रखा जा सकेगा।

हरिवंश तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति निर्विरोध चुने गए

-पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुआ चुनाव, विपक्ष ने नहीं उतारा उम्मीदवार

नई दिल्ली,(ए.)। राज्यसभा में एक बार फिर सहमति की राजनीति देखने को मिली, जब हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उच्च सदन का उपसभापति निर्विरोध चुन लिया गया। यह अपने आप में ऐतिहासिक है, क्योंकि पहली बार किसी नेता को इस पद पर बिना किसी विरोध के लगातार तीसरी बार चुना गया है।इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सदन में मौजूद रहे, जिससे इस चुनाव की अहमियत और बढ़ गई। आमतौर पर सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिलता है, लेकिन इस चुनाव में विपक्ष द्वारा उम्मीदवार नहीं उतारे जाने से सहमति का माहौल नजर आया। निर्धारित समय सीमा तक विपक्ष की ओर से कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया, जिससे हरिवंश नारायण सिंह का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय हो गया था। उनके समर्थन में कुल पांच प्रस्ताव दाखिल किए गए थे, जिन्हें विभिन्न दलों के नेताओं ने आगे बढ़ाया। इनमें भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण सहित कई वरिष्ठ नेताओं का समर्थन शामिल था।

संसदीय परंपरा के अनुसार, इन प्रस्तावों को सदन में पेश कर वॉइस वोट के जरिए पारित किया गया, जिसके बाद बाकी प्रस्ताव स्वत: निरस्त हो गए। इस तरह यह प्रक्रिया औपचारिक रही, लेकिन इसका राजनीतिक महत्व काफी बड़ा माना जा रहा है।

बालोद में पागल कुत्ते का आतंक, 4 साल के बच्चे सहित कई लोग घायल

बालोद, (आरएनएस)। बालोद जिले के डौंडी लोहारा थाना क्षेत्र के चिल्हाटीखुर्द गांव में एक पागल कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया। कुत्ते ने पहले गांव के मवेशियों पर हमला किया और फिर राहगीरों को निशाना बनाया। इसी दौरान गांव में खेल रहे एक 4 वर्षीय मासूम पर भी उसने हमला कर दिया, जिससे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।बताया जा रहा है कि कुत्ते ने बच्चे को करीब 17 जगहों पर काटा, जिससे उसकी हालत चिंताजनक हो गई। लगातार हो रहे हमलों से गांव में दहशत का माहौल बन गया था।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने अंतत: पागल कुत्ते को घेरकर पीट-पीटकर मार डाला।

तमिलनाडु चुनाव 2026 के बीच जब्ती 800 करोड़ के पार, 2021 के मुकाबले लगभग दोगुनी

चेन्नई ,(आरएनएस)। तमिलनाडु में चल रहे चुनावी माहौल के अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती सामान और अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले लगभग दोगुना है। चुनाव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 2021 के चुनाव में 446.28 करोड़ रुपए के उपहार और कीमती धातुएं बिना वैध दस्तावेज के जब्त की गई थीं। इसके अलावा 236.70 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी पकड़ी गई थी। खास बात यह रही कि जब्त किए गए सामान में से 50 प्रतिशत से ज्यादा बाद में सही दस्तावेज दिखाने पर लोगों को वापस लौटा दिए गए थे। उस समय कुल जब्ती में केवल सोने की हिस्सेदारी ही 173.19 करोड़ रुपए की थी। वहीं, इस बार स्थिति और ज्यादा सख्त नजर आ रही है। बुधवार तक करीब 800 करोड़ रुपए की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, आभूषण, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। अब तक 126.64 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है, जिसके पास वैध कागजात नहीं थे।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त हुआ है, वे जरूरी दस्तावेज दिखाकर उसे वापस ले सकते हैं। अब तक करीब 400 करोड़ रुपए की जब्त सामग्री (जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं) जांच के बाद लौटाई भी जा चुकी है। इससे यह भी पता चलता है कि सख्ती के साथ-साथ सही लोगों को राहत देने की व्यवस्था भी मौजूद है।

उन्नाव, चित्रकूट और प्रयागराज में तीन घरों में लगी भीषण आग, 3 बच्चियों की जलकर मौत

कानपुर (आरएनएस)। उन्नाव व चित्रकूट में घरों में लगी आग की चपेट में आकर दो बच्चियों की जलकर मौत हो गई। चित्रकूट में शिवकुमार के घर गुरुवार को शार्ट-सर्किट से आग लग गई। जिसमें मासूम की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। उन्नाव में संदीप कुमार की पत्नी लक्ष्मी मंगलवार को अपनी तीन साल की बेटी लाडो को घर में सुलाकर मोहल्ले में ही छठी कार्यक्रम में शामिल होने गई थी, तभी मोमबत्ती लुढ़ककर गिरने से आग लगी।ग्रामीणों ने आग बुझाई व गंभीर रूप से झुलसी बच्ची को सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उधर प्रयागराज के एयरपोर्ट क्षेत्र के इंगुआ उर्फ काठगांव निवासी राम सिंह रैदास ने गांव की आबादी से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में घास फूस और प्लास्टिक की पन्नी का छप्परनुमा घर बनवा रखा था

मुंबई में 20 से 27 अप्रैल तक पानी सप्लाई में 5 प्रतिशत कटौती

मुंबई, (ए.)। मुंबई महानगरपालिका द्वारा मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले जलसुरंग (वॉटर टनल) क्रमांक 1 और 2 के मेंटेनेंस का काम शुरू किया जा रहा है। इसके तहत टनल का चार्जिंग (भराव), फ्लशिंग (धुलाई), क्लोरीनीकरण और डी-क्लोरीनीकरण किया जाएगा। यह कार्य सोमवार, 20 अप्रैल से सोमवार, 27 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान शहर के कई हिस्सों में पानी सप्लाई में 5 प्रतिशत की कटौती लागू रहेगी। इस पानी कटौती से मुंबई के पूर्व उपनगर और शहर के निम्नलिखित प्रभाग प्रभावित रहेंगे-एल (कुर्ला पूर्व), एम पूर्व, एम पश्चिम, एन, एस, टी, ए, बी, सी, ई एवं एफ उत्तर, एफ दक्षिण।

बताया गया है कि जलबोगदा 1 (AMT-1): अमर महल (हेगडेवार उद्यान) से वडाला (प्रतीक्षा नगर) होते हुए परेल (सदाकांत धवन उद्यान) तक जलबोगदा 2 (AMT-2): अमर महल से ट्रॉम्बे के निम्नस्तरीय और उच्चस्तरीय जलाशयों तक, दोनों जलसुरंग फिलहाल चालू हैं और शहर को लगातार पानी सप्लाई कर रहे हैं। महानगरपालिका प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवधि में पानी का संयमित उपयोग करें और प्रशासन का सहयोग करें।

बिहार में "जनता दरबार" कार्यक्रम को फिर से शुरू करने का फैसला

पटना, (ए.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तर्ज पर जनता दरबार कार्यक्रम को फिर से शुरू करने का फैसला लिया है। इस पहल को सरकार और जनता के बीच दूरी कम करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दरअसल, नीतीश कुमार के कार्यकाल में जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम काफी लोकप्रिय रहा था। इस मंच के जरिए आम लोग सीधे मुख्यमंत्री के सामने अपनी समस्याएं रखते थे और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहते थे। इससे शिकायतों का त्वरित समाधान संभव हो पाता था और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता भी बढ़ती थी। हालांकि कुछ निजी वजहों से इस कार्यक्रम को रोक दिया गया था। लेकिन अब सरकार बदली है तो इसे फिर से शुरू किया जा रहा है। अब सम्राट चौधरी के सीएम बनते ही उन्होंने जनता दरबार लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इसी मॉडल को अपनाते हुए जनता दरबार लगाने की तैयारी में जुट गए हैं। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने इस कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और इसकी संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। सरकार का मानना है कि जनता दरबार के माध्यम से आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें सीधे मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा, जिससे न सिर्फ उनकी समस्याओं का जल्दी समाधान होगा बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था में भी जवाबदेही तय होगी। खास बात यह है कि इस दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे, ताकि शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जा सके।

अब विदेशों से भी चंदा ले सकेगी धीरेंद्र शास्त्री की संस्था, गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बाबा बागेश्वर धाम से जुड़ी संस्था को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने बागेश्वर धाम जन सेवा समिति को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत रजिस्ट्रेशन दे दिया है। इसके बाद अब यह संस्था विदेशों से मिलने वाले चंदे को कानूनी रूप से स्वीकार कर सकेगी।

यह संस्था पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में काम करती है, जो देशभर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर के रूप में जाने जाते हैं। अब तक इस संस्था को विदेशी फंड लेने की अनुमति नहीं थी लेकिन एफसीआरए रजिस्ट्रेशन मिलने के बाद इसके लिए रास्ता खुल गया है।

दरअसल, भारत में कोई भी एनजीओ या धार्मिक-सामाजिक संस्था अगर विदेश से पैसा

लेना चाहती है, तो उसे पहले सरकार से एफसीआरए की अनुमति लेनी होती है। यह नियम इसलिए बनाया गया है ताकि विदेशी फंड का इस्तेमाल पारदर्शी तरीके से हो और उसका गलत इस्तेमाल न हो सके। अनुमति मिलने के बाद ही कोई संस्था सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक या सांस्कृतिक कार्यों के लिए विदेशी दान ले सकती है।बागेश्वर धाम जन सेवा समिति को अब कई कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन मिला है, जिसमें धार्मिक (हिंदू), सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि अब संस्था इन सभी क्षेत्रों में काम करने के लिए विदेशों से फंड प्राप्त कर सकती है।

गौरतलब है कि बागेश्वर धाम देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपने अनुयायियों के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में भक्त दर्शन और आस्था के लिए पहुंचते हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का नाम भी पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में रहा है, खासकर उनके धार्मिक आयोजनों और बयानों को लेकर।

वहीं, केंद्र सरकार की ओर से मिले इस एफसीआरए रजिस्ट्रेशन के बाद संस्था की गतिविधियों को और विस्तार मिलने की संभावना है, क्योंकि अब संस्था विदेश से भी फंड ले सकती है।

पोल्ट्री फार्म में भड़की भीषण आग, करीब 4 हजार मुर्गे जले; फिर गांव वालों ने जो किया वो हैरान कर देगा

हमीरपुर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कुरारा थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव में शॉर्ट सर्किट के चलते दो पोल्ट्री फार्म में अचानक भीषण आग लग गई। आग का कहर ऐसा था कि फार्म हाउस में बिक्री के लिए पूरी तरह तैयार करीब चार हजार मुर्गे और चूजे जिंदा जल गए। बुधवार को खेतों में बने इस फार्म में हुई आगजनी की इस खौफनाक घटना में मालिक को लगभग 10 लाख रुपये का भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह आग पर काबू तो पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। यह पोल्ट्री फार्म खालेपुरा के रहने वाले आमिर कुरैशी का है। फार्म में काम करने वाले मजदूरों के मुताबिक, बुधवार को अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ जिसने पलक झपकते ही विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग दोनों फार्मों में बुरी तरह फैल गई और वे धू-धूकर जलने लगे। बताया जा रहा है कि इन दोनों फार्मों में दो-दो हजार मुर्गे बिक्री के लिए बिल्कुल तैयार थे, जिन्हें जल्द ही ऑर्डर मिलने पर भेजा जाना था। लेकिन आग इतनी तेजी से भड़की कि दमकल दस्ते के वहां पहुंचने से पहले ही 10 लाख रुपये का माल और बेजुबान पक्षी खाक हो गए। इस दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर एक बेहद अजीबोगरीब और हैरान करने वाला दृश्य देखने को मिला। जैसे ही दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया, वहां बड़ी संख्या में तमाशबीन बनकर जमा हुए गांव वालों के बीच मरे हुए मुर्गों को लूटने की होड़ मच गई।

प्रेमी को देना था महंगा सरप्राइज, गर्लफ्रेंड बन गई चोर, जुबली हिल्स के शोरूम से ऐसे उड़ाई ब्रांडेड घड़ियां

हैदराबाद ,,(आरएनएस)। हैदराबाद के पॉश इलाके जुबली हिल्स से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने अपने प्रेमी के जन्मदिन पर उसे इम्प्रेस करने और महंगा तोहफा देने के चक्कर में चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। पैसों की तंगी के बावजूद महंगे गिफ्ट का शौक पूरा करने के लिए उसने एक नामी शोरूम से दो ब्रांडेड घड़ियां चुरा लीं, लेकिन सीसीटीवी कैमरे ने उसकी पूरी चालाकी की पोल खोल दी। शिकायत के बाद पुलिस ने युवती के साथ-साथ उसके प्रेमी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

कार में इंतजार कर रहा था बॉयफ्रेंड, प्रेमिका ने रची साजिश

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, खम्मम इलाके की रहने वाली यह युवती अपने प्रेमी के साथ कार में सवार होकर जुबली हिल्स पहुंची थी। बताया जा रहा है कि दोनों पहले से ही कोई महंगा गिफ्ट खरीदने की फिराक में थे,

लेकिन युवती के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह कोई कीमती चीज खरीद सके। ऐसे में उसने एक योजना बनाई। वह अपने प्रेमी को कार में ही बैठा छोड़कर पास की एक नामी घड़ी की दुकान में दाखिल हो गई।

बड़ी चालाकी से पार कीं टिसोट की दो महंगी घड़ियां

दुकान के अंदर पहुंचने के बाद युवती ने ग्राहकों की तरह बर्ताव किया और मौका पाते ही बड़ी सफाई से टिसोट ब्रांड की दो महंगी घड़ियां चुरा लीं। किसी को उस पर शक न हो, इसलिए वह बड़े आराम से दुकान से बाहर निकली और चुराई गई घड़ियां अपने प्रेमी को उसके जन्मदिन के तोहफे के रूप में सौंप दीं। शुरुआत में प्रेमी को भी यही लगा कि उसकी गर्लफ्रेंड ने ये घड़ियां खरीदकर उसे गिफ्ट की हैं।

स्टॉक मिलान में हुआ खुलासा, सीसीटीवी ने पहुंचा दिया हवालात

चोरी का यह राज तब खुला जब दुकान के कर्मचारियों ने स्टॉक का मिलान किया और दो घड़ियां गायब पाईं। इसके बाद स्टोर मैनेजर ने तुरंत सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें युवती साफ तौर पर घड़ियां चुराते हुए नजर आ गई। फुटेज के आधार पर शोरूम मैनेजर ने जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूचबिहार ज़िले के दिनहाटा में, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया।

कॉकटेल 2' के लिए कृति सेनन ने कैसे घटाया अपना वजन? एक्ट्रेस ने पहली बार फॉलो की स्ट्रिक्ट डाइट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2' में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 2012 में आई कॉकटेल' का सीक्वल है। कॉकटेल 2' के क्लिप्स में कृति काफी फिट और बोल्ड नजर आ रही हैं। अब उन्होंने इसी को लेकर अपनी डाइट और रूटीन को लेकर खुलकर बात की।

कृति सेनन ने कहा, सच कहूं तो कॉकटेल' के दौरान ही ऐसा हुआ था जब मैं बहुत स्ट्रिक्ट डाइट और कंसिस्टेंट वर्कआउट रूटीन पर थी और पहली बार मैंने कैलोरी-डेफिसिट डाइट फॉलो की, जो मैंने पहले कभी अपनी जिंदगी में नहीं किया था।हम इटली के सिसिली में शूट कर रहे थे और वहां खाने की बात करें तो ज्यादातर पिज्जा, पास्ता, पिज्जा वही सब होता है। और मैं बस सोचती रह जाती थी।'कैलोरी-डेफिसिट डाइट का मतलब शरीर की नॉर्मल कैलोरी मात्रा से कम कैलोरी लेना। इसका मोटिव वजन घटाने के लिए शरीर में जमा फैट को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करने पर मजबूर करना होता है। इसमें आमतौर पर रोज के खाने में 500-1000 कैलोरी कम की जाती है, जिससे हर सप्ताह लगभग 1 किलो वजन कम हो सकता है।हाल ही में जूम के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कृति ने कॉकटेल 2' को लेकर अपनी एक्साइटमेंट भी शेयर की और फैंस को आने वाली फिल्म की झलक दी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपनी पिछली फिल्म के मुकाबले कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थीं।उन्होंने कहा, कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर आई।

धुरंधर 2 के आगे 'डकैत' का हुआ बुरा हाल, रिलीज के 6 दिन बाद भी आधा बजट वसूल नहीं पाई मृणाल-आदिवी की फिल्म

आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की रोमांटिक एक्शन फिल्म 'डकैत' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला था. फिर भी इसने ठीक शुरुआत की लेकिन वीकेंड पर ये बंपर कमाई नहीं कर पाई. अब वीकडेज में भी इसकी कमाई में उतार-चढ़ाव बना हुआ है. चलिए यहां जानते हैं कि डकैत ने रिलीज के 6ठे दिन यानी बुधवार को कितनी कमाई की है?

'डकैत' दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई है. फिल्म से यूं तो काफी उम्मीदें थीं लेकिन धुरंधर 2 ने इसका बंटाधार कर दिया. ये फिल्म 28 दिन पुरानी रणवीर सिंह की स्पाई एक्शन थ्रिलर के आगे कमाई नहीं कर पा रही है. खासतौर पर वीकडेज में तो इसकी हालत काफी खराब होती दिख रही है सोमवार को कमाई झटका मिलने के बाद मंगलवार को ये थोड़ी संभली भी लेकिन छठे दिन यानी बुधवार को 'डकैत' की रफ्तार फिर धीमी पड़ गई है और इसी के साथ इसके कलेक्शन में काफी गिरावट दर्ज की गई.

फिल्म की कमाई की बात करें तो 'डकैत' ने 6.55 करोड़ से खाता खोला था. फिर दूसरे दिन इसने 6.85 करोड़ कमाए. तीसरे दिन की कमाई 6.40 करोड़, चौथे दिन का कलेक्शन 2.70 करोड़ रुपये और 5वें दिन का कारोबार 3 करोड़ रुपये रहा.

वहीं अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'डकैत' ने रिलीज के छठे दिन 1.55 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ 'डकैत' की 6 दिनों की कुल कमाई अब 27.05 करोड़ रुपये हो गई है.

'डकैत' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 6 दिन हो चुके हैं लेकिन ये फिल्म बेहद धीमी रफ्तार से कमाई कर रही है. शॉकिंग बात ये है कि 70 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म रिलीज के 6 दिन बाद भी पूरी लागत तो दूर आधा बजट भी वसूल नहीं कर पाई है. ऐसे में अब फिल्म पर फ्लॉप होने का खतरा मंडरा रहा है. दरअसल इस शुक्रवार से सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की भूत बंगला भी आ जाएगी. पहले से धुरंधर 2 के आगे कमाई के लिए संघर्ष कर रही 'डकैत' को भूत बंगला के रिलीज होने के बाद चंद करोड़ कमाना भी मुश्किल हो जाएगा. अब देखने वाली बात होगी कि डकैत दूसरे वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म कर पाती है.

डकैत का निर्देशन डेब्यूटेंट निर्देशक शेनिल देव ने किया है. यह फिल्म बदले की भावना से इंस्पायर एक युवक की कहानी है. फिल्ममें आदिवी शेष ने एक गुस्सैल कैदी की भूमिका निभाई है, जो अपनी एक्स गर्लफ्रेंड (मृणाल ठाकुर द्वारा स्टारर) से धोखे का बदला लेना चाहता है. कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, इसमें प्रेम, विश्वासघात और पश्चाताप जैसी थीम को दिखाया गया है. फिल्म में एक्शन और इमोशनल ड्रामा का बेहतरीन मिश्रण है. अनुराग कश्यप, प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी, ज़ैन मैरी खान, कामाक्षी भास्करला और सुनील वर्मा जैसे कलाकारों ने भी डकैत में अहम रोल प्ले किया है.

आदि साई कुमार ने की नई फिल्म सायराबानू का एलान, पहला पोस्टर भी आउट

अपनी ब्लॉकबस्टर फ़िल्म शंभला के लिए मशहूर आदि साई कुमार ने अपने अगले प्रोजेक्ट सैराबानू की घोषणा की है, जिसे फनी कृष्णा सिरिकी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फ़िल्म को हास्य मूवीज़ के बैनर तले राजेश डांडा प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि कृष्णकांत पारुचुरी इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

फ़िल्म के पोस्टर में एक जीवंत, सपनों जैसा रोमांटिक माहौल दिखाया गया है, जिसमें दिल के आकार का एक गुलाबी बादल और चारमीनार व विजाग बीच रोड जैसी मशहूर जगहों वाला एक शानदार नज़ारा नज़र आता है। फ़िल्म की कहानी एक अनोखी हिंदू-मुस्लिम प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें हास्य का पुट भी है और जिसकी पृष्ठभूमि राजमुंदरी और हैदराबाद है।बांधवी श्रीधर, आदि साई कुमार के साथ फ़िल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर जुड़ गई हैं। फ़िल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफ़र के तौर पर राम रेड्डी, म्यूज़िक डायरेक्टर के तौर पर शेखर चंद्र और एडिटर के तौर पर छोटा के प्रसाद शामिल हैं। फ़िल्म की रेगुलर शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

आदि साई कुमार के हालिया प्रोजेक्ट्स में शनमुखा और क्रेज़ी फ़ेलो शामिल हैं, जिनमें एक अभिनेता के तौर पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा देखने को मिली है। फ़िल्म के निर्देशक फणी कृष्णा सिरिकी ने इससे पहले क्रेज़ी फ़ेलो पर काम किया था, जो कि एक ज़बरदस्त मनोरंजक फ़िल्म थी।

संयुक्ता मेनन ने पूरी की द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग, टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म द ब्लैक गोल्ड की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं।संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है।उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूद सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है।अभिनेत्री ने सहायक सिनेमैटोग्राफर का भी खास जिक्र किया। उन्होंने लिखा, परधु, आप सचमुच भगवान का भेजा हुआ तोहफा हो, जिस तरह आपने सब कुछ संभाला है, उसके लिए दिल से शुक्रिया कहना काफी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस शेड्यूल से उसी एनर्जी के साथ वापस लौट रही हूं, शायद उससे भी ज्यादा। मैं हल्का-फुल्का और ज्यादा खुश महसूस कर रही हूं। सही समय पर सही लोगों के साथ होना सचमुच बहुत खूबसूरत एहसास है।

रामचरण की पेड्डी हुई पोस्टपोन, अब जून में बॉक्स ऑफिस पर होगा धमाल

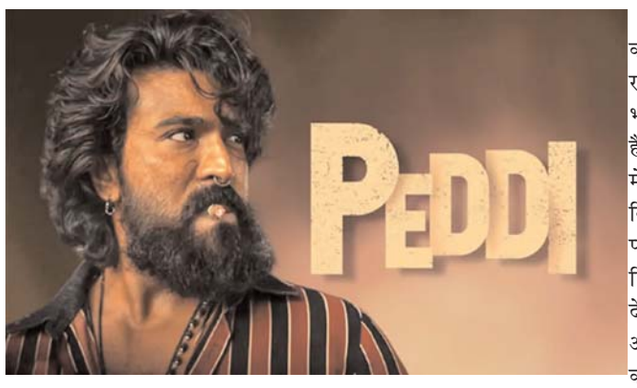

राम चरण की पेड्डी को लेकर फैंस में काफी क्रेज है. पेड्डी 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है. इसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल निभाएंगे. फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी इसे लेकर काफी चर्चा है. हाल ही में पेड्डी पहलवान को रिलीज किया गया था, जिसमें राम चरण का एक बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिला. उनके इस लुक को जबरदस्त प्यार मिला.फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है. लेकिन फिल्म का कुछ काम अभी पेंडिंग है. शानदार थिएट्रिकल एक्सपीरियंस देने के लिए मेकर्स ने टेक्नीशियन और पोस्ट-प्रोडक्शन टीम को थोड़ा और समय देने का फैसला किया है. इसी कारण से रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है. पहले ये फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होनी थी. अब फिल्म जून में रिलीज होगी.अब मेकर्स ने रिलीज डेट टालने की घोषणा की. उन्होंने लिखा, हम अपने फैंस को सबसे बेहतरीन अनुभव देना चाहते हैं. पेड्डी जून में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.पेड्डी के पहले टीजर ने ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था. इसने फिल्म की दमदार कहानी की एक झलक दी. फैंस बीच जबरदस्त माहौल बना दिया. चिकिरी चिकिरी और राय राय रा रा जैसे गाने हों या फिर फिल्म के पोस्टर्स, सबने कमाल कर दिया है. पेड्डी के पहले सिंगल चिकिरी चिकिरी ने रिलीज होते ही काफी हलचल पैदा कर दी थी

एक दिन का ट्रेलर आउट- साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी जगा रही प्यार की उम्मीद

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है. वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है. अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है.एक दिन का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है. जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है. वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी. जहां यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है.

डेस्क जॉब वालों के लिए वरदान है बकासन, कमर दर्द और तनाव से मिलेगी राहत

आज की व्यस्त दिनचर्या में खुद को फिट रखना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन कुछ एक्सरसाइज और नियमित आहार से आप खुद को फिट रख सकते हैं। इन्ही में से एक योगासन है बकासन। शुरुआत में यह थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन नियमित अभ्यास से यह आसान हो जाता है। बकासन करने से पूरा शरीर मजबूत होता है और तनाव दूर हो जाता है। बकासन शब्द संस्कृत के दो शब्दों को मिलाकर बना है। बक का अर्थ बगुला, यानी कि पक्षी, और आसन का अर्थ बैठना है। यानी कि इसका शाब्दिक अर्थ होता है बगुले की तरह बैठना। इस आसन को करने के दौरान शरीर एक बगुले या सारस जैसी होती है, जिसमें शरीर का पूरा वजन हाथों की कलाइयों पर संतुलित होता है। इसमें घुटने कोहनियों के ऊपर या बाहों के ऊपरी हिस्से पर टिके होते हैं और कूल्हे ऊपर उठे हुए होते हैं। यह एक संतुलन आसन है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, बकासन (कौआ आसन या क्रेन पोज) एक महत्वपूर्ण संतुलन योगासन है, जो हाथों, कंधों और कोर मसल्स को मजबूत बनाता है। यह मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और शारीरिक स्थिरता को बढ़ाता है। यह पेट की मांसपेशियों को टोन कर पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करने में भी सहायक है।

डेस्क जॉब या फिर लगातार बैठकर काम करने वालों के लिए यह आसन सहायक है। क्योंकि इसके करने मात्र से रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है और लचीलापन आता है। यह आसन कमर को मजबूत बनाता है और पीठ दर्द जैसी समस्याओं को भी कम करने में मदद करता है। साथ ही यह मानसिक तनाव और चिंता को घटाता है। बकासन करते समय गहरी सांसें ली जाती हैं, जिससे मन शांत होता है। यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है।

बकासन करने के लिए सबसे पहले पैरों के पंजों के बल उकड़ू बैठ जाएं, यानी एड़ियां जमीन से ऊपर रहें। अब दोनों हथेलियों को पैरों के आगे जमीन पर रखें। उंगलियां फैली होनी चाहिए ताकि पकड़ मजबूत बने। अब धीरे-धीरे अपने शरीर का भार हाथों पर डालें और पैरों को जमीन से ऊपर उठाने की कोशिश करें। घुटनों को कोहनियों के पास टिकाएं और एड़ियों को नितंबों के पास रखें। इस स्थिति में शरीर को जितना हो सके स्थिर रखें और गहरी सांस लेते रहें। फिर धीरे से वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं।

घुटने या कलाई में दर्द हो तो डॉक्टर से सलाह लेकर ही शुरू करें। गर्भवती महिलाएं बिना विशेषज्ञ की देखरेख में न करें।

मॉइस्चराइजर लगाने के बाद भी त्वचा पर रहता है रूखापन? जानिए इसके 5 कारण

त्वचा की देखभाल के लिए नमी देने वाले उत्पाद का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। यह त्वचा को नमी देता है और उसे मुलायम बनाता है। हालांकि, कई बार ऐसा होता है कि नमी देने वाले उत्पाद का उपयोग करने के बावजूद त्वचा रूखी ही रहती है। ऐसा क्यों होता है? आइए आज हम आपको इसके पांच मुख्य कारण बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आपको अपनी त्वचा की देखभाल करने में मदद मिलेगी।

गलत मॉइस्चराइजर का चयन

मॉइस्चराइजर का चयन करते समय त्वचा के प्रकार का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार सही मॉइस्चराइजर नहीं चुनते हैं तो इससे आपकी त्वचा को वह नमी नहीं मिल पाती, जिसकी उसे जरूरत होती है। उदाहरण के लिए अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो जेल आधारित मॉइस्चराइजर अच्छा रहेगा, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम आधारित मॉइस्चराइजर बेहतर है।

बहुत गर्म पानी से नहाना

बहुत गर्म पानी से नहाने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे वह रूखी हो जाती है। गर्म पानी से नहाने पर त्वचा की ऊपरी परत हट जाती है और नई परत बनने में समय लगता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान लगती है। इसलिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और नहाने के बाद त्वचा को मुलायम रखने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। इससे आपकी त्वचा को नमी मिलेगी।

मौसम के बदलाव का असर

मौसम का बदलाव भी त्वचा की नमी पर असर डाल सकता है। सर्दियों में ठंडी हवा और कम नमी के कारण त्वचा रूखी हो जाती है, जबकि गर्मियों में पसीना और धूल के कारण भी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। इसलिए मौसम के अनुसार अपनी त्वचा की देखभाल करें और उसे हाइड्रेटेड रखने के लिए नियमित रूप से मॉइस्चराइजर का उपयोग करें।

शरीर में पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी होने पर त्वचा पर सीधें असर पड़ता है और यह रूखी हो जाती है। इसलिए दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा फलों का रस या नारियल पानी भी पी सकते हैं। साथ ही खाने में तरबूज, खीरा जैसी पानी वाली सब्जियां शामिल करें। इससे आपकी त्वचा को भरपूर नमी मिलेगी और वह स्वस्थ रहेगी। हाइड्रेटेड रहने से आपकी त्वचा हमेशा ताजगी भरी और चमकदार दिखेगी।

गलत समय पर मॉइस्चराइजर लगाना

मॉइस्चराइजर लगाने का सही समय बहुत अहम होता है। अगर आप नहाने के तुरंत बाद या सोने से पहले मॉइस्चराइजर लगाते हैं तो इसका असर लंबे समय तक रहता है। इसके अलावा दिन में एक बार इसे जरूर लगाएं ताकि आपकी त्वचा हमेशा हाइड्रेटेड रहे। इन कारणों पर ध्यान देकर आप अपनी त्वचा को सही तरीके से नमी दे सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

ईरान ने ट्रंप के दावे को खारिज किया, कहा- यूरेनियम भंडार सौंपने का कोई समझौता नहीं

तेहरान, (ए)। ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे का खंडन किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि तेहरान अपना समृद्ध यूरेनियम भंडार अमेरिका को सौंप देगा। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ के करीबी एक सूत्र ने इसे खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका को किसी भी प्रकार की परमाणु सामग्री हस्तांतरित करने के लिए कोई बातचीत नहीं हुई है। एक अन्य ईरानी सूत्र ने भी कहा कि बातचीत जारी रखना ईरान की सभी शर्तों पर निर्भर करेगा।

ईरान की यह प्रतिक्रिया ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने लगभग 6 सप्ताह के संघर्ष के बाद समझौते को करीब बताया है। व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, वे हमें परमाणु भंडार वापस देने पर सहमत हो गए हैं। समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की अच्छी संभावना है। ट्रंप का इशारा समृद्ध यूरेनियम की ओर था, जिसके बारे में वाशिंगटन का मानना है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में हो सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के इस्लामाबाद में पहले दौर की वार्ता विफल होने के बाद दूसरे दौर की वार्ता की संभावना बन रही है। पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की मध्यस्थता में इसे एक बार फिर से इस्लामाबाद में आयोजित किया जाना है। ट्रंप ने संभावना जताई है कि ईरान युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है। पहली वार्ता में अमेरिका ने ईरान को परमाणु संवर्धन 20 साल रोकने को कहा था, जबकि ईरान 5 साल कह रहा था।

इंडोनेशिया में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 8 लोगों की मौत

जकार्ता, (ए.)। इंडोनेशिया के पश्चिम कालीमंतन प्रांत में शुक्रवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर सवार सभी 8 लोगों की मौत हुई है। इंडोनेशिया की बचाव एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद शफी ने बताया कि एयरबस एच-130 हेलीकॉप्टर ने गुरुवार सुबह मेलावी के एक बागान क्षेत्र से उड़ान भरी थी। उसके 5 मिनट बाद वह संपर्क से बाहर हो गया था। हेलीकॉप्टर की खोज शुरू की गई, तो शुक्रवार को वह जंगलों के बीच दुर्घटनाग्रस्त मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक, जहां हेलीकॉप्टर का संपर्क टूटा, वह घने जंगलों वाला पहाड़ी इलाका है। बचाव दलों को उस जगह से करीब 3 किलोमीटर दूर पश्चिम में हेलीकॉप्टर के पिछले संदेह का मलबा मिला था। शुक्रवार को सैन्य और पुलिस कर्मियों सहित बचावकर्मी सड़क मार्ग से दुर्घटनास्थल तक किसी तरह पहुंचे। अभी शवों को बरामद करने का काम जारी है। बागान क्षेत्र इंडोनेशियाई ताड़ के तेल कंपनी, सिट्रा महकोटा के स्वामित्व में था और हेलीकॉप्टर मैथ्यू एयर नुसंतारा का था।

इंडोनेशिया के सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल नूर्रचमन गिंधा द्राधिज्या ने बताया कि दुर्घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय बचाव एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि विमान में 6 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनकी मौत की पुष्टि हो गई है। अभी तक 4 शवों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है और उन्हें बॉडी बैग में रखा गया है, जबकि 3 अन्य हेलिकॉप्टर के मलबे के अंदर ही हैं।

इस्लामाबाद में समझौता हुआ तो पाकिस्तान जाएंगे डोनाल्ड ट्रंप, कहा- ईरान युद्ध बहुत जल्द होगा समाप्त

वाशिंगटन,(ए)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को संकेत दिया कि अगर इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो जाता है तो वह पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने यह बात नेवादा के लिए रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस के लॉन में पत्रकारों से बात करते हुए कही। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत की स्थिति सकारात्मक गति दिखा रही है। उन्होंने संकेत दिया कि जल्द ही एक समझौता हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, अगर इस्लामाबाद में समझौता हो जाता है, तो मैं जा सकता हूं। वे मुझे चाहते हैं। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को सुगम बनाने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की, इसकी भागीदारी को रचनात्मक बताते हुए कहा कि पाकिस्तानी मध्यस्थ बहुत ही शानदार रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को महान बताया।

ट्रंप ने समझौते को लेकर आगे कहा, मुझे लगता है कि अभी हमारी बातचीत बहुत सफल चल रही है। अगर यह सफल हुआ, तो इसकी घोषणा जल्द की जाएगी, और इससे हमें मुफ्त तेल, मुफ्त होर्मुज जलडमरूमध्य मिलेगा, सब कुछ अच्छा होगा। और मुझे लगता है कि तेल की कीमतें पहले से भी कम हो जाएंगी। ट्रंप ने लास वेगास में एक कार्यक्रम में फिर दोहराया कि ईरान में स्थिति बहुत अच्छी है और बहुत जल्द समाप्त हो सकती है।

इजरायल और लेबनान के बीच अगले 10 दिन का युद्धविराम लागू हो गया है। पिछले हफ्ते दोनों के बीच घातक हमलों ने ईरान-अमेरिका के युद्धविराम को भी खतरे में डाला था। ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा के बाद ट्रुथ पर लिखा, मुझे उम्मीद है कि हिज़्बुल्लाह इस महत्वपूर्ण समय के दौरान अच्छा और सही बर्ताव करेगा। अगर वे ऐसा करते हैं, तो यह उनके लिए एक बहुत ही शानदार पल होगा। अब और कोई हत्या नहीं।

रूस ने कर दिया भीषण हमला- एक साथ टूट पड़े 659 ड्रोन और 44 मिसाइलें, 18 की मौत

कीव,(ए.)। रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर अत्यंत विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है। रूस ने इस साल के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम देते हुए यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर ड्रोन और मिसाइलों की भीषण बारिश कर दी है। इस ताजा हमले में कम से कम 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेन की वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने पिछले 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 659 ड्रोन और 44 मिसाइलें दागीं। यह हमला मुख्य रूप से नागरिक ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किया गया। कीव, खारकीव, ओडेसा, डि्नप्रो और जापोरिज्जिया जैसे प्रमुख शहर इस गोलाबारी से बुरी तरह दहल उठे। ओडेसा में नेशनल म्यूजिक अकादमी के हॉस्टल पर हमला होने से वहां रह रहे छात्रों में हड़कंप मच गया; पांच छात्र घायल हुए जिन्हें रात के समय सुरक्षित बाहर निकाला गया। डि्नप्रो में तीन और जापोरिज्जिया में एक व्यक्ति की जान जाने की पुष्टि हुई है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबीहा ने इस हमले को आतंकी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि रूस जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है।

कतर दौरे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की हवाई सलामी हुई वायरल, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद(ए.)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इन दिनों अपने कतर दौरे को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन उनकी यह चर्चा कूटनीतिक समझौतों से ज्यादा एक वायरल वीडियो के कारण हो रही है। दरअसल, जब प्रधानमंत्री का विमान कतर के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, तो कतर एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को एस्कॉर्ट कर विशेष सम्मान दिया। इसी दौरान शहबाज शरीफ विमान की खिड़की से कतरी फाइटर जेट्स को सलामी देते नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल हो गया। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स के बीच दो फाड़ देखने को मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में यूजर्स ने इस वीडियो पर तंज कसते हुए इसे ओवरएक्टिंग करार दिया। कुछ लोगों ने मजाक उड़ाते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री ने जमीन पर उतरने का इंतजार भी नहीं किया और हवा में ही सलामी देना शुरू कर दिया। वहीं, दूसरी ओर कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई असामान्य घटना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत जब किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष का दूसरे देश में इस तरह स्वागत किया जाता है, तो मेहमान नेता अक्सर हाथ हिलाकर या सलामी देकर उस देश की मेहमाननवाजी और सम्मान के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है।

पाकिस्तान के खैबरपख्तूनख्वा में गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट, 8 लोगों की मौत; कई घायल

पेशावर (ए)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर जिले में एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में ग्रैंड ट्रंक रोड के पास एक कारखाने के नजदीक हुआ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट इतना तेज था कि तुरंत भीषण आग लग गई, जो तेजी से आसपास के इलाके में फैल गई। आग की चपेट में एक नजदीकी मकान भी आ गया, जिससे नुकसान बढ़ गया और बचाव कार्य मुश्किल हो गया।पाकिस्तान की आपातकालीन सेवा 'रेस्क्यू 1122' के अधिकारियों ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की जान गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आग फैलने के दौरान कम से कम चार महिलाओं और छह बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि, कुछ महिलाएं और बच्चे झुलस गए हैं, जिनका इलाज जारी है। हरिपुर के उपायुक्त वसीम अहमद ने बताया कि अधिकांश मौतें दम घुटने के कारण हुई प्रतीत होती हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।फिलहाल विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज दूर-दराज के इलाकों में भी सुनी गई। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

खेल समाचार

T20 वर्ल्ड कप 2026 में फिक्सिंग का साया, जांच के घेरे में ये बड़ा मुकाबला; ICC के एक्शन से क्रिकेट जगत में हड़कंप

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला गया टी20 वर्ल्ड कप 2026 भले ही संपन्न हो चुका है, लेकिन अब यह एक बड़े विवाद में घिरता नजर आ रहा है। टूर्नामेंट के दौरान खेले गए एक अहम मुकाबले में मैच फिक्सिंग के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। इस खुलासे के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) की एंटी-करप्शन यूनिट (AC) भी तुरंत हरकत में आ गई है और पूरे मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि इसी टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को धूल चटाकर इतिहास रचा था और अपने घर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बनने का गौरव हासिल किया था।

न्यूजीलैंड बनाम कनाडा का मैच शक के घेरे में, एक ओवर ने खोली पोल?

जिस मुकाबले पर फिक्सिंग के काले बादल मंडरा रहे हैं, वह 17 फरवरी को चेन्नई के प्रतिष्ठित एमए चिदंबरम स्टेडियम में न्यूजीलैंड और कनाडा के बीच खेला गया था। यह मैच ग्रुप स्टेज का था, जिसमें जांच का मुख्य फोकस न्यूजीलैंड की पारी के पांचवें ओवर पर टिका है। यह ओवर कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने फेंका था, जिन्हें टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तानी सौंपी गई थी। बाजवा ने इस ओवर की शुरुआत एक नो-बॉल और वाइड से की थी और इसमें कुल 15 रन लुटाए थे। इस मैच में न्यूजीलैंड ने 174 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 15.1 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया था।

कनाडाई टीवी की डॉक्यूमेंट्री से हुआ इस बड़े 'खेल' का भंडाफोड़

फिक्सिंग के इन चौंकाने वाले दावों का खुलासा कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी (CBC) पर प्रसारित हुई एक विस्तृत डॉक्यूमेंट्री के बाद हुआ है। 10 अप्रैल को टीवी पर 'करप्शन, क्राइम और क्रिकेट' नाम से 43 मिनट की यह खास रिपोर्ट दिखाई गई थी। इस इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में क्रिकेट कनाडा के कामकाज और गवर्नेंस को लेकर कई बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिसने खेल प्रशासकों की नींद उड़ा दी है।

विवाद सिर्फ इस एक संदिग्ध ओवर तक ही सीमित नहीं है। आईसीसी की टीम इस मामले में कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़ी एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी गहराई से पड़ताल कर रही है। चौहान ने आरोप लगाया है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड सदस्यों ने उन पर राष्ट्रीय टीम में कुछ खास और चुनिंदा खिलाड़ियों को ही शामिल करने का भारी दबाव डाला था। पूर्व कोच ने अपनी बातचीत में यह भी साफ तौर पर दावा किया है कि इस बड़े टूर्नामेंट के दौरान मैच फिक्स करने की कोशिशें की गई थीं।

आईसीसी ने आरोपों का लिया संज्ञान, लेकिन चुप्पी साधने में ही समझी भलाई

पूरे क्रिकेट जगत में मचे इस बवाल के बीच आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट ने सीबीसी की इस डॉक्यूमेंट्री के प्रसारित होने और आरोपों की बात स्वीकार की है। हालांकि, अपनी जांच प्रक्रिया और नियमों का हवाला देते हुए आईसीसी ने किसी भी खास आरोप पर सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से फिलहाल इनकार कर दिया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, एसीयू के अधिकारी एफग्रेव ने स्पष्ट किया है कि उनके तय ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल के अनुसार, जांच पूरी होने तक वे आरोपों की सत्यता पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं।

अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में पूरे किए 100 विकेट, प्लेयर ऑफ द मैच भी बने

नईदिल्ली (ए)।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट पूरे कर लिए और ऐसा करने वाले पंजाब किंग्स के पहले गेंदबाज बने हैं। अर्शदीप ने मुंबई इंडियंस के रयान रिकेल्टन को आउट कर यह खास मुकाम हासिल किया। मैच के बाद उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। उनकी टीम को 7 विकेट से जीत मिली।

पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप ने पहला मुकाबला 2019 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 87 मुकाबले खेले हैं और इसकी 86 पारियों में 26.87 की औसत से 102 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 2 बार 4 विकेट हॉल और 1 बार 5 विकेट हॉल लिया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/32 का रहा है। अर्शदीप के बाद पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला ने लिए हैं। उन्होंने 87 पारियों में 26.63 की औसत से 84 विकेट चटकाए थे।

मैच में अर्शदीप ने 4 ओवर गेंदबाजी की और 22 रन देकर 3 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 5.50 की रही। उनके अलावा मार्को यानसन और शशांक सिंह को 1-1 विकेट मिले।

पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। उनका ये फैसला सही साबित हुआ और 12 रन पर मुंबई इंडियंस के 2 बल्लेबाज पवेलियन में थे। हालांकि, इसके बाद क्विंटन डिकॉक ने शानदार शतकीय पारी (112*) खेली। नमनधीर के बल्ले से 50 रन निकले। मुंबई इंडियंस ने 195/6 का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर (66) और प्रभसिमरन सिंह (80*) की शानदार पारियों के दम पर 16.3 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

आईपीएल 2026: चेन्नई सुपर किंग्स को लगा बड़ा झटका, खलील अहमद चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से हुए बाहर

नईदिल्ली,(ए)। चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका तब लगा जब टीम के बांए हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो गए. उन्हें केकेआर के खिलाफ मैच के दौरान अपने स्पेल की आखिरी गेंद फेंकने से पहले जांघ में खिंचाव हुआ, जिसकी वजह से वो आखिरी गेंद नहीं फेंक सके और मैदान से बाहर चले गए।

अब सीएसके ने अपने एक्स अकाउंट पर इस खबर की पुष्टि कर दी है कि खलील अहमद टूर्नामेंट से बाहर हो गए है. फ्रैंचाइजी ने एक्स पर लिखा, केकेआर के खिलाफ मैच में दाएं जांघ में चोट लगने के बाद खलील अहमद आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं. हम खलील के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।

28 वर्षीय खलील अहमद को ठीक होने में कम से कम 10-12 हफ्ते लग सकते हैं. एक आईपीएल सूत्र ने बताया, इस चोट में क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव भी शामिल है. इसलिए अगर जरूरत पड़ी तो खलील को सर्जरी करवानी पड़ सकती है. एक तेज गेंदबाज के लिए यह एक बुरी चोट है, क्योंकि शरीर के उस हिस्से के आस-पास की कोई भी चोट ठीक होने में लंबा समय लेती है और उसका रिहैब भी बहुत सावधानी से करना पड़ता है.खलील की गैरमौजूदगी से सीएसके की तेज गेंदबाजी की ताकत में एक बड़ा खालीपन आ गया है. फ्रैंचाइजी ने अभी तक उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है. लेकिन इस तेज गेंदबाज को मुकेश चौधरी और रामकृष्ण घोष जैसे गेंदबाज रिप्लेस कर सकते हैं. आखिरी फैसला कप्तान और टीम मैनेजमेंट को ही करना होगा. घोष दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं जो निचले क्रम के एक उपयोगी बल्लेबाज के तौर पर भी टीम के लिए काफी अहमियत रखते हैं.इस सीजन सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पिछले दो मैच जीतकर सीएसके ने शानदार वापसी की है और वो अब अंक तालिका में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं. उनका अगला मैच शनिवार (18 अप्रैल) को सनराइजर्स हैदराबाद से है।

राजगीर में सीनियर नेशनल रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप टॉप स्कोरर बनी बिहार की आरती, पश्चिम बंगाल और केरल का भी रहा दबदबा

राजगीर,(ए.) बिहार खेल अकादमी राजगीर में 16 और 17 अप्रैल को आयोजित 13वीं सीनियर नेशनल रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप 2026 का एक्शन और रोमांच से भरपूर रहा. रग्बी के विमेंस ग्रुप स्टेज संपन्न हुआ, जिसमें सभी मैचों में 1000 से अधिक पॉइंट्स बने. अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 27 टीमों के ग्रुप स्टेज में जबरदस्त परफॉर्मेंस, करीबी मुकाबले और शानदार इंडिविजुअल प्रदर्शन देखने को मिले. जिससे नॉकआउट राउंड के लिए माहौल तैयार हो गया.होस्ट और डिफेंडिंग चैंपियन बिहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जबरदस्त जीत दर्ज की, जिसमें मध्य प्रदेश पर 59-0 की जीत और उत्तर प्रदेश के खिलाफ 60-0 का नतीजा शामिल है. सबसे जबरदस्त अटैकिंग टीमों में से, वेस्ट बंगाल ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा स्कोर करने वाली टीम बनी, जिसने दो मैचों में 129 पॉइंट्स बनाए, वहीं मणिपुर पर 66-0 की जीत और आंध्र प्रदेश के खिलाफ 63-0 की जीत शामिल है.केरल ने भी अपने अटैकिंग प्रदर्शन से सबको इम्प्रेस किया. दो मैचों में 98 पॉइंट्स के साथ तीसरी सबसे ज्यादा स्कोर करने वाली टीम रही, जिसमें डीएनएचडीडी पर 69-0 की जीत और झारखंड के खिलाफ 29-0 का नतीजा शामिल है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (ए.)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता (ए.)। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके।

आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खिताब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है।

++++ विश्व विरासत दिवस पर विशेष ++++ हमारी विरासत हमारी धरोहर++++हमारी पहचान++++

आदिमानव का गढ़ रही हैं ऐतिहासिक आदमगढ़ की पहाड़ियां

106 वर्ष पूर्व 1920 में मनोरंजन घोष ने की थी शैलाश्रयों की खोज

बलराम शर्मा

आदमगढ़ की पहाड़ियां में बने चित्र चट्टानी आश्रय पाषाण काल तथा मध्यपाषाण काल के माने जाते हैं। यह पहाड़ियां आदि मानव का विशेष गढ़ रही है। तभी तो इसे आदमगढ़ की पहाड़िया कहा जाता है। इस पहाडिया पर मानव जाति के समूह में रहने के प्रमाण मिले हैं। यह पुरातत्व की धरोहर होने के साथ मानव के इतिहास से जुड़ी होने के कारण यह विरासत है। इतिहासकार के अनुसार यहां के शैलचित्र करीब 20 हजार वर्ष प्राचीन हैं। आदमगढ़ स्थित चित्रित शैलाश्रयों की खोज के 106 वर्ष पूरे हो गए है। इनकी खोज का श्रेय मनोरंजन घोष को जाता है जिन्होंने वर्ष 1920 में इनकी खोज की थी। आदि मानवों द्वारा पहाड़िया पर आदमयुग के उत्कृष्ट शैलचित्र बनाए गए हैं जो उनकी रचना कौशल एवं श्रम साध्यता को प्रमाणित करते हैं। जो आज भी दिख रहे हैं। शैलायों की विषय वस्तु में पशु, बैल, हाथी, घोड़ा, सिंह, गाय, जिराफ, हिरण आदि तथा अश्वारोही योद्धा नर्तक की कृति बनी हुई है। ये चित्र उत्तर पाषाण युग से लेकर मध्यकाल तक के प्रतीत होते हैं। जो सफेद गहरे लाल हल्के गेरुआ और लाल रंग के चित्र हैं। आदमगढ़ की पहाड़ी पर 20 चट्टानी आश्रय में चित्रकारी की गई हैं जो लगभग 4 किमी के दायरे में फैले हुए हैं।आदमगढ़ की पहाड़ी पर बने शैलचित्र जो हजारों साल पहले आदी मानव ने नुकीले पत्थरों की कारीगरी अमिट स्याही से पत्थरों पर उस जमाने की आकृति को उकेरा है।1960 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने आरवी जोशी एवं एमडी खरे के मार्गदर्शन मे पुरातात्विक उत्खनन करवाया था, जिसमें लाखों वर्ष प्राचीन आदि मानव के पाषाण उपकरण प्राप्त हुए थे। वर्तमान में यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल के अंतर्गत संरक्षित राष्ट्रीय महत्व कि पुरातात्विक स्थल घोषित किया है।

अर्थात यह एक विशेष विरासत के रूप में शासनाधीन है दूसरी एक और बात है कि यहां पर दुर्लभ किस्म की अनेक वनस्पतियों का संरक्षित रहना भी अपने आप में एक अलग ही जैव विवधता का खजाना है।नर्मदा महाविद्यालय में इतिहास की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ हंसा व्यास का मानना है कि आदमगढ़ की प्राचीन पहाड़ी प्रागैतिहासिक काल की है। उस समय के मानवों के द्वारा जो शैलचित्र उकेरे गए हैं वह हमारी सांस्कृतिक धरोहर के रूप में है। इनका संरक्षण आवश्यक है।पुरातत्व के जानकार वरिष्ठ समाजसेवी गोपीकांत घोष का कहना है कि वास्तव में आदमगढ़ की पहाड़िया प्राचीन विरासत है। पुरातत्व विभाग के माध्यम से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार को इस विरासत को जन मानस से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल करना चाहिए।

सेठानी घाट नर्मदापुरम की आत्मा से कम नहीं

नर्मदापुरम की मुख्य पहचान मां नर्मदा से है। साथ ही समूचे नर्मदांचल ही नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध सेठानी घाट का अपना एक अलग ही महत्व है। यह घाट पूरे भारत में सबसे बड़े घाटों में शुमार है। सेठानी घाट को नर्मदापुरम की आत्मा कहना अतिशयोक्ति नहीं है। 19 वीं शताब्दी में घाट का निर्माण समाजसेवी सेठानी बाई के द्वारा हुआ था इस कारण इसका नाम सेठानी घाट है। यह घाट करीब 135 साल पुराना है। इस घाट से अनेक घाट जुड़ते जा रहे हैं जिससे और अधिक आकर्षण होता जा रहा है। घाट के समीप ही दिव्यता लिए हुए दर्जनों देवालय हैं। क्षेत्र की मुख्य आस्था का केंद्र मां नर्मदा के पावन तट पर प्रतिदन सुबह शाम मंदिरों में आरती और घंटियां मन को आनंदित करती हैं। सेठानी घाट धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण के कारण पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। सदियों से श्रद्धालुओं, साधु.संतों और यात्रियों की आस्था का साक्षी रहा है। यह सिर्फ एक धार्मिक स्थान ही नहीं बल्कि तीर्थ स्थान बन चुका है। मां नर्मदा का प्रकटोत्सव यहां का सबसे बड़ा धार्मक महोत्सव है। इसके अलावा वर्ष भर सेठानी घाट पर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। अमावस्या पूर्णिमा, संक्राति, सहित अन्य पर्वों पर सेठानी घाट पर मेला लग जाता है। नित्य आरती समिति द्वारा हर दिन शाम को मां नर्मदा की आरती व महाआरती समिति के द्वारा पूर्णिमा सहित अनेक पर्व त्यौंहारों के अवसर पर मां नर्मदा की महाआरती सेठानी घाट पर की जाती है। सेठानी घाट पर ही शताधिक वर्षों से शर्मा परिवार के सहयोग से रामलीला महोत्सव समिति के द्वारा रामलीला का आयोजन किया जाता है। श्रावण माह में ही सत्संग भवन में सत्संग होता है। सेठानी घाट के समीप ही नवान्ह पारायण, गीता जयंती महोत्सव, पं रामलाल शर्मा स्मृति समारोह, शिवार्चन समिति के द्वारा पूरे श्रावण माह में महारूद्राभिषेक के आयोजन, नव संवतसर के अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, युवा दिवस, योग दिवस के आयोजन, रामनवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के आयोजन, श्राद्ध पक्ष में सामूहिक श्राद्ध, श्रावणी उपाकर्म, देवीप्रतिमा व जवारे विसर्जन के साथ ही अनेक धार्मिक आयोजन का सिलसिला चलता रहता है। इतना ही नहीं चुनावों के समय फार्म भरने और जीतने के बाद जुलूश निकालकर नेतागण अपने समर्थकों के साथ सेठानी घाट पर ही पूजन अर्चन के लिए पहुंचते हैं। प्रशासनिक अधिकारी भी अपनी ज्वानिंग करने से पूर्व मां नर्मदा की पूजन के लिए सेठानी घाट पर पहुंचते हैं। पूर्व में साधु वासवाणी व्याख्यान माला का आयोजन होता था जिसमें देश के अनेक विद्वानों का आगमन होता रहा है।

10वीं-12वीं की परीक्षा जीवन का टर्निंग प्वाइंट, लेकिन अंतिम पड़ाव नहीं : विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा

भविष्य निर्माण की मजबूत नींव है शिक्षा, परीक्षाओं से न डरें, सपनों को करें साकार : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला पंचायत के सभागार में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर परिणामों के उपलक्ष्य में जिले के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सीतासरन शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा सुधीर पटेल, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौकसे एवं रुपेश राजपूत उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में हाई स्कूल परीक्षा के 31 तथा हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा के 21 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति ने जिले के परीक्षा परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 78.29 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं का परिणाम 81.65 प्रतिशत रहा। विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा ने अपने उद्बोधन के दौरान विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं निश्चित रूप से किसी भी विद्यार्थी के जीवन का महत्वपूर्ण टर्निंग प्वाइंट होती हैं, लेकिन यह अंतिम पड़ाव नहीं है। इसके आगे भी जीवन में कई चुनौतियां और अवसर आते हैं, जिनका सामना आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। विधायक डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि वे सभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी परिकल्पना विकसित भारत @ 2047 के वास्तविक साझेदार हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संविदा पर एक वाहन चालक की भर्ती, 30 अप्रैल तक करें आवेदन

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुदान से प्राप्त बहुउपयोगी वाहन के संचालन हेतु संविदा आधार पर एक वाहन चालक की नियुक्ति की जाएगी। तत्संबंध में जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम ने बताया कि द्वारा इस पद के लिए इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन जमा करने की प्रक्रिया 18 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल 2026 को शाम 05:00 बजे तक चलेगी।

बनखेड़ीः नर्मदा के पंछी घाट पर संतों के सानिध्य में चला वृहद सफाई अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था भाऊ साहब भुस्कुटे स्मृतिलोक न्यास गोविंद नगर के आह्वान पर शुक्रवार को नर्मदा तट के पंछी घाट उमरधा पर वृहद साफ-सफाई अभियान चलाया गया।यह अभियान सुबह 7 बजे से 10 बजे तक संत श्री ध्रुव दास त्यागी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस दौरान मप्र जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती सुखवती वर्मा भी उपस्थित रहीं। अभियान का संचालन भाऊ साहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास के ग्राम विकास प्रभारी ओमकार सिंह राजपूत की योजना अनुसार किया गया।सफाई अभियान में मां नर्मदा ग्राम विकास समिति बनखेड़ी, तुलसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति बनखेड़ी तथा विलेज लाइफ वेलफेयर सोसाइटी बनखेड़ी के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया। लगभग तीन घंटे चले इस अभियान में पंछी घाट की गहन सफाई की गई। विशेष बात यह रही कि नर्मदा मैया में स्नान करने आए श्रद्धालुओं ने भी सफाई कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। श्रमदान को सफल बनाने में मां नर्मदा ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद मेहर, तुलसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति के अध्यक्ष तुलसीराम कहार, विलेज लाइफ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष भागीरथ कुशवाहा, परामर्शदाता मकरन सिंह कुशवाहा सहित गोबिंद पटेल, श्रीमंत पटेल, शिव कुमार यादव, महेंद्र राजपूत, वीरेंद्र पटेल, शुभम विश्वकर्मा, सतीश सराठे और संतोष पटेल का विशेष योगदान रहा।

समस्त जिलेवासी स्वगणना प्रक्रिया के तहत पोर्टल पर दर्ज करें अपनी जानकारी : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

स्वगणना पोर्टल के माध्यम से कलेक्टर ने किया स्व-पंजीयन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को भारत सरकार द्वारा संचालित स्वगणना पोर्टल (se.census.gov.in) के माध्यम से अपनी स्वगणना करते हुए आवश्यक जानकारी दर्ज की तथा एसई आईडी (Self Enumeration ID) प्राप्त की। इस दौरान जिला जनगणना प्रभारी सुश्री आयुषी यादव ने कलेक्टर को स्वगणना प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत इस बार स्व-गणना (Self Enumeration) की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने बताया कि स्वगणना की यह सुविधा 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी। सभी नागरिक इस अवधि में पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग कर अपनी जानकारी दर्ज करें। यह प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी एवं समय की बचत करने वाली है, जिससे दर्ज की गई जानकारी अधिक स्पष्ट और सटीक रहती है। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि स्वगणना के दौरान दर्ज किया गया डाटा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा तथा इसका उपयोग किसी अन्य साक्ष्य के रूप में नहीं किया जाएगा।

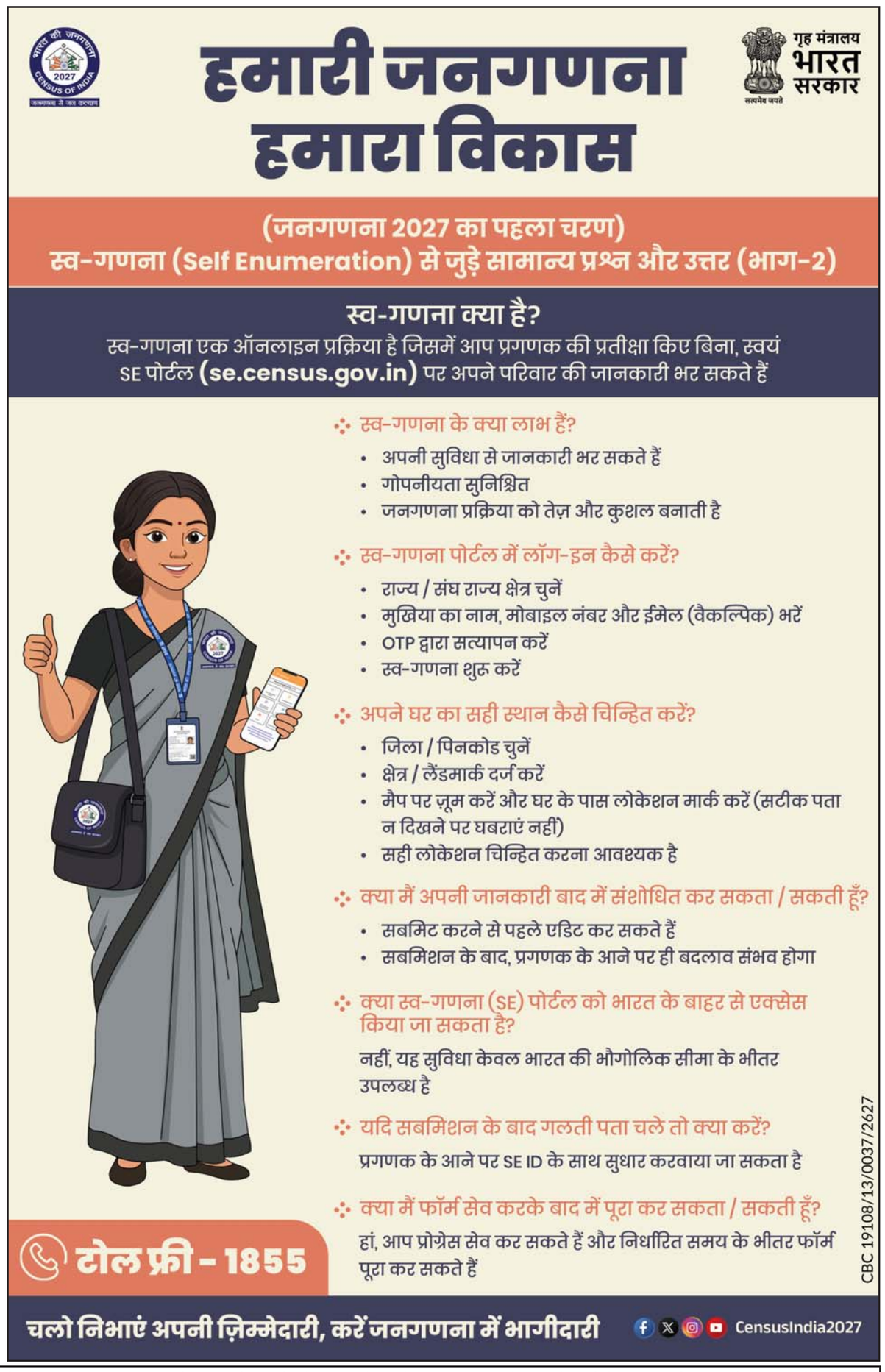

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com